twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 13 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 210, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

लंदन जा रहा एअर इंडिया विमान अहमदाबाद में क्रैश

8 242 लोग थे सवार, अब तक 241 से ज्यादा शव मिले, विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली, एक कनाडाई कर रहा था सफर

अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा हुआ है। एअर इंडिया का विमान अहमदाबाद के मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। विमान में 242 यात्री सवार थे। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। विमान रिहायशी इलाके में क्रैश हुआ। अभी तक 100 से अधिक शवों को अस्पताल लाया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। विमान में मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करते ही हादसे का शिकार हो गया। घटनास्थल पर अग्निशमन दल की टीमें पहुंच गई हैं और राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे के बाद एअर इंडिया ने हॉटलाइन नंबर जारी किया है।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा था विमान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एयर इंडिया का विमान एआई171 हादसे का शिकार हुआ है, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। यह विमान बोइंग इ787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी था। हादसे की सूचना मिलते ही गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुजरात सीएम और अहमदाबाद के कमिश्नर से फोन पर बात की है और उनसे हालात के बारे में जानकारी ली। साथ ही गृह मंत्री ने हरसंभव मदद की बात कही। एअर इंडिया ने भी हादसे की पुष्टि की है और बयान में कहा है कि वे हालात की समीक्षा कर रहे हैं।

विमान में 169 भारतीय नागरिक सवार

एअर इंडिया ने एक बयान में बताया कि विमान में सवार 242 यात्रियों में से 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। हादसे में घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एअर इंडिया ने जानकारी देने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। एअर इंडिया ने अथॉरिटीज को पूरा समर्थन देने की बात कही है। अक्171 दुर्घटना के मद्देनजर, सभी विवरणों के समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। जिसका नंबरः 011-24610843` 9650391859 है।

डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुआ विमान

अहमदाबाद के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुई। सूचना मिलने के 2-3 मिनट के भीतर ही पुलिस अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। करीब 70-80 प्रतिशत इलाका क्लीयर करा लिया गया है। सभी एजेंसियां काम में जुटी हैं।

डीजीसीए ने बताया- पायलट ने मेडे की कॉल की थी

डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। विमान उड़ान भरते ही एयरपोर्ट परिसर के बाहर गिर गया, जिसके बाद धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। विमान हादसे के बाद बचाव और राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें मौके पर भेजी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी इस विमान में सवार थे।

पीएम मोदी ने विमान दुर्घटना की जानकारी ली

प्रधानमंत्री मोदी ने घटना पर ट्वीट करते हुए लिखा कि 'अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं। सभी लोग प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से बात की और विमान हादसे की जानकारी ली। मंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं।पीएम मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से कहा है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं।

जाको राखे साइयां.., विमान हादसे में 425 फीट से गिरकर जीवित बचा शख्स, चलकर अस्पताल पहुंचा

गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान अक-171 गुरुवार को टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी समेत 242 यात्री सवार थे। अभी तक 200 से अधिक लोगों के शव बरामद हुए हैं। लेकिन इस हादसे में एक शख्स जिंदा भी बच गया है। विमान हादसे के दौरान 625 फीट से गिरने के बावजूद उसकी जान बच गई। शख्स हादसे के स्थल से लाशों के बीच से होते हुए चलते हुए अस्पताल पहुंचा।

जिंदा बचे शख्स का नाम रमेश विश्वास कुमार

अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा है, पुलिस को सीट 11ए पर एक जीवित व्यक्ति मिला। व्यक्ति अस्पताल में पाया गया है और उसका इलाज चल रहा है।

कैसे होगी मृतकों की शिनाख्त?

गुजरात के स्वास्थ्य सचिव धनंजय द्विवेदी ने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों के डीएनए का उपयोग किया जाएगा। अहमदाबाद सिविल अस्पताल द्वारा नमूने एकत्र करने की व्यवस्था की गई है। 50 घायलों का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी मरीजों की हालत स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कासोटी भवन में डीएनए नमूने उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। मृतक के करीबी रिश्तेदार (माता-पिता या बच्चे) डीएनए नमूना उपलब्ध करा सकेंगे। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कासटी भवन में इस डीएनए नमूने को लेने की व्यवस्था की गई है। बी.जे. यह परीक्षण भवन मेडिकल कॉलेज के भूतल पर स्थित है। सिविल अस्पताल प्रशासन ने रिश्तेदारों और मित्रों से इस परीक्षण केंद्र पर डीएनए नमूने उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। जानकारी के लिए संपर्क करने हेतु दो फोन नंबरों 6357373831, 6357373841की घोषणा की है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) अहमदाबाद विमान हादसे की जांच करेगा। एक अधिकारी ने कहा कि एएआईबी के महानिदेशक और एजेंसी में जांच निदेशक सहित अन्य लोग अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे।

जान गंवाने वाले लोगों में पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी

अहमदाबाद के मेघाणीनगर में गुरुवार दोपहर भीषण विमान हादसा हुआ। एअर इंडिया विमान संख्या-AI-171 उड़ान भरने के तत्काल बाद क्रैश हो गया। अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एअर इंडिया ने बताया कि इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सफर कर रहा था। इसी विमान में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी सवार थे।

गुजरात के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद रहे विजय रुपाणी का 68 साल की आयु में निधन हो गया। वर्ष 2016 से 2021 के बीच गुजरात के मुख्यमंत्री रहे रुपाणी का सियासी करियर काफी लंबा रहा है। गुजरात में मुख्यमंत्री बनने से पहले रुपाणी जुलाई, 2006 से 2012 के बीच राज्यसभा सदस्य रहे। साल 2014 में नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और देश के प्रधानमंत्री बने। गुजरात में उनकी जगह आनंदीबेन पटेल ने ली। इसके लगभग दो साल बाद अगस्त, 2016 में आनंदीबेन पटेल की जगह विजय रुपाणी राज्य के मुख्यमंत्री बने। 2017 के विधानसभा चुनाव भाजपा ने रुपाणी के चेहरे पर लड़ा और जीतकर एक बार फिर से सत्ता में वापसी की। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद विजय रुपाणी ने दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अपने दो कार्यकाल में कुल पांच साल 37 दिन तक इस पद पर रहे।

नगर निगम, विधानसभा से लेकर संसद तक की राजनीति

बतौर मुख्यमंत्री अपने पहले कार्यकाल में रुपाणी अगस्त, 2016 से दिसंबर, 2017 तक सीएम पद पर रहे। इसके बाद उन्होंने दिसंबर, 2017 से सितंबर, 2021 के बीच मुख्यमंत्री पद संभाला।

एजेंसियां अलर्ट पर: नागरिक उड्डयन मंत्री

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विमान हादसे पर कहा कि 'अहमदाबाद विमान हादसे की खबर से दुखी और हैरान हूं। हम अलर्ट पर हैं और मैं निजी तौर पर हालात की समीक्षा कर रहा हूं। सभी उड्डयन आपात एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समन्वय तरीके से और तेजी से कार्रवाई करें। बचाव टीमों को भी मौके पर भेजा गया है और चिकित्सा सुविधाओं को भी अलर्ट किया गया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार लोगों और उनके परिजनों के प्रति हैं।' राम मोहन नायडू ने बताया कि वे डीजीसीए, एएआई के शीर्ष अधिकारियों के संपर्क में हैं।

"हर तरफ लाशें और क्रैश हुए प्लेन का मलबा ही बिखरा दिखाई दिया"

अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया। यह यात्री विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के पांच मिनट बाद ही मेघाणीनगर में गिरकर आग के गोले में बदल गया। देश-दुनिया के बड़े नेताओं ने इस घटना को लेकर शोक जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति शोक प्रकट किया है। इस बीच हादसे को लेकर चश्मदीदों के बयान आए हैं। साथ ही वे लोग भी सामने आए हैं, जिन्होंने इस हादसे में अपने करीबियों को खो दिया।

घटना पर क्या बोले चश्मदीद?

एयर इंडिया विमान क्रैश के एक चश्मदीद ने बताया- "मैं तब घर पर ही था, जब हमने एक जबरदस्त आवाज सुनी। जब हम बाहर निकले तो हवा में धुएं का जबरदस्त गुबार देखा। जब हम यहां आए तो हर तरफ लाशें और क्रैश हुए प्लेन का मलबा ही बिखरा दिखाई दिया।" दूसरी तरफ अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के बाहर इस घटना के बाद भारी भीड़ जुटी दिखाई दी। रमीला नाम की एक महिला ने बताया कि उनका बेटा जब हॉस्टल में खाना खाने गया था, तभी यह विमान क्रैश हुआ।

उन्होंने कहा, "मेरा बेटा सुरक्षित है और मेरी उससे बात हुई है। उसने दूसरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचाई। इसलिए उसे कुछ चोटें आई हैं।"

प्लेन हादसे पर क्या बोले विशेषज्ञ?

पूर्व वरिष्ठ पायलट कैप्टन सौरभ भटनागर के हवाले से बताया कि पहली बार इस हादसे को देखने पर पता चलता है कि यह कई पक्षियों के टकराने का मामला है, जिसमें दोनों इंजनों ने शक्ति खो दी है। वरिष्ठ पायलट का दावा है कि उड़ान एकदम सही थी और मेरा मानना है कि गियर ऊपर करने से पहले ही विमान नीचे की ओर उतरने लगा। उन्होंने माना कि ये केवल उसी समय संभव है कि इंजन की शक्ति कम हो जाए या विमान में लिफ्ट विकसित होना बंद हो जाए। वहीं, वरिष्ठ पायल का मानना है कि फुटेज से ऐसा लगता है कि उड़ान बिना किसी घटना के हुई। विमान नियंत्रित तरीके से नीचे उतरा। पायलट ने मेडे कॉल किया था। इसका सीधा मतलब है कि विमान एक संकपूर्ण स्थिति से गुजर रहा था।

क्या पक्षी टकराने से हुआ हादसा?

वहीं, विमानन विशेषज्ञ संजय लाजर का भी मानना है कि जो विमान हादसे का शिकार हुआ।

भारत में भीषण गर्मी की अवधि बढ़ने का अनुमान

एजेंसी

भारत के सभी प्रमुख शहर इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं और आगामी दिनों में प्रचंड गर्मी होने के आसार हैं। आईपीई ग्लोबल और एसरी इंडिया के एक अध्ययन के अनुसार, मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, सूरत, ठाणे, पटना और भुवनेश्वर जैसे शहरी क्षेत्रों में 2030 तक गर्मी के दिनों की अवधि में दोगुनी वृद्धि होने का अनुमान है। नयी दिल्ली में ग्लोबल-साउथ क्लाइमेट रिस्क सिम्पोजियम में पेश रिपोर्ट 'वेदरिंग द स्टॉर्म- मैनेजिंग मॉनसून इन ए वार्मिंग क्लाइमेट' आने वाले वर्षों के लिये एक गंभीर तस्वीर पेश करती है, क्योंकि भारत अब तेजी से परिवर्तनशील जलवायु के चरम से जूझ रहा है। भारत में पिछले 30 वर्षों में अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में 15 गुना वृद्धि देखी गयी, जबकि पिछले दशक में इसमें 19 गुना वृद्धि हो चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय तक चलने वाली ये गर्मी अब अनियमित और तीव्र वर्षा की ओर ले जा रही है, जिससे 2030 तक देश के 80 प्रतिशत जिलों में बारिश होने के आसार हैं। आईपीई ग्लोबल में जलवायु प्रमुख अविनाश मोहंती ने चेतावनी देते हुये कहा, 'परिवर्तन की गति और पैमाने अभूतपूर्व हैं। हम देख रहे हैं कि मानसून लंबी गर्मियों जैसी स्थितियों

में बदल रहा है, जिससे बारिश अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही है। इस स्थिति को संभालना मुश्किल है और इससे उबरना और भी मुश्किल है। वर्ष 2030 तक टियर-। और टियर-2 के 72 प्रतिशत शहरों में बार-बार गर्मी, भयंकर बारिश, बिजली के तूफान और यहां तक कि ओलावृष्टि भी होने का अनुमान है। विशेषतौर पर तटीय जिले गंभीर खतरे में हैं। यहां लगभग 70 प्रतिशत लोगों को मानसून के दौरान भी गर्मी जैसी स्थितियों का ही सामना करना पड़ सकता है। यह प्रतिशत वर्ष 2040 तक 79 प्रतिशत तक हो सकता है अध्ययन में कहा गया है कि गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, ओडिशा, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों को गर्मी और बाढ़ दोनों का सामना करना पड़ेगा, जिससे इन प्रदेशों के 80 प्रतिशत से अधिक जिले प्रभावित होंगे। आईपीई ग्लोबल के प्रबंध निदेशक अश्वजीत सिंह ने जोर देकर कहा कि समूचे विश्व के दक्षिणी भाग खास तौर पर भारत दोहरे नुकसान में हैं, जो विकास के लिये संघर्ष करते हुये जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से भी जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि वनों की कटाई, भूमि-उपयोग में बदलाव, आर्द्रभूमि और झाड़ियों एवं इसी प्रजाति के पेड़ों का विनाश देश के स्थानीय जलवायु संकट को बढ़ा रहा है। इन मानव-जनित परिवर्तनों के कारण कई संवेदनशील जिलों में भूमि उपयोग में 63 प्रतिशत बदलाव आया है। अध्ययन में आह्वान किया गया है कि उपग्रह डाटा और जलवायु मॉडल का उपयोग करने वाली राष्ट्रीय जलवायु संकट वेधशाला (सीआरओ) का जिला स्तर पर गठन किया जाये, ताकि इस बाबत स्थानीय कार्रवाई की अगुवाई हो सके।गौरतलब है कि भारत पहले से ही जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों का सामना कर रहा है। तत्काल और व्यापक कार्रवाई के बिना ये प्रभाव और भी गंभीर हो जायेंगे, जिससे जीवन, बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास के खतरे में पड़ने की आशंका है।

राहुल गांधी खुद को पूरी तरह 'अर्बन नक्सली' की भूमिका में ढाल चुके हैं : केशव मौर्य

एजेंसी

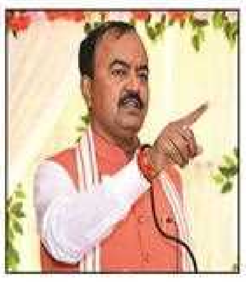

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद अपने को पूरी तरह 'अर्बन नक्सली' की भूमिका में ढाल चुके हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आजादी के बाद से कम्युनिस्टों को ढोते-ढोते कांग्रेस थकी नहीं और अब उसके नए 'एंग्री यंग मैन' राहुल गांधी खुद अपने को पूरी तरह 'अर्बन नक्सली' की भूमिका में ढाल चुके हैं। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका में उनका कोई भरोसा नहीं है। यह लोकतंत्र की सेहत के लिए कतई ठीक नहीं है। इसके पहले भी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रवक्ता करार दिया था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी पूरी तरह से 'बेलगाम' हो चुके हैं और उनके बयानों की दिशा अब स्पष्ट रूप से राष्ट्रहित के विरुद्ध दिखाई देने लगी है। मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी जिस तरह भारतीय सेना पर बार-बार अनाप-शनाप आरोप लगाते हैं, वह उन्हें एक जिम्मेदार सांसद नहीं, बल्कि पाकिस्तान के प्रवक्ता की भूमिका में खड़ा कर देता है।

एयर मार्शल ने ऑपरेशन 'सिंदूर' को उभरती चुनौतियों के अनुकूल भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने हाल के वैश्विक संघर्षों से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किये गए ऑपरेशन 'सिंदूर' से तुलना करते हुए वर्तमान युद्ध परिदृश्यों में निगरानी और इलेक्ट्रो-ऑप्टिक प्रणालियों की रणनीतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का फायदा उसी को मिलता है, जिसमें पहले देखने, सबसे दूर देखने और सबसे सटीक रूप से देखने की क्षमता होती है। एयर मार्शल ने ऑपरेशन 'सिंदूर' को इन उभरती चुनौतियों के अनुकूल ढलने के लिए भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया। एयर मार्शल दीक्षित ने आज नई दिल्ली में निगरानी और इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार में ऑपरेशन 'सिंदूर' की समानता आर्मेनिया-अजरबैजान युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष और इजरायल-हमास संघर्ष से की। उन्होंने कहा कि जब हम आर्मेनिया-अजरबैजान से लेकर रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास तक के वैश्विक संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर में अपने स्वयं के अनुभवों को देखते हैं, तो एक सच्चाई बिल्कुल साफ तौर पर सामने आती है कि जो पक्ष पहले देखता है, सबसे दूर देखता है और सबसे सटीक रूप से देखता है, वही जीतता है। एयर मार्शल ने ऑपरेशन सिंदूर को इन उभरती वास्तविकताओं के अनुकूल ढलने के लिए भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया। उन्होंने

कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने समकालीन युद्ध में गहन निगरानी के महत्व को साबित किया है। ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक ने इस बात को पुख्ता किया है कि आधुनिक युद्ध ने प्रौद्योगिकी की बदौलत दूरी और भेद्यता के बीच के रिश्ते को मौलिक रूप से बदल दिया है। युद्ध के मौजूदा सिद्धांतों को चुनौती दी जा रही है और नए सिद्धांत उभर रहे हैं। आज स्केल्प, ब्रह्मोस और हैमर जैसी सटीक और निर्देशित मिसाइलों ने भौगोलिक बाधाओं को लगभग निरर्थक बना दिया है, क्योंकि बियॉन्ड विजुअल रेंज की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (बीवीआर एएएम) और सुपरसोनिक हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों के हमले आम हो गए हैं। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि जब हथियार सैकड़ों किलोमीटर दूर लक्ष्य पर सटीक निशाना साध सकते हैं, तो सामने, पीछे और पार्श्व युद्ध क्षेत्र और गहराई वाले क्षेत्रों की पारंपरिक अवधारणा अप्रासंगिक हो जाती हैं। हमें संभावित खतरों का पता लगाना, पहचानना और ट्रैक करना चाहिए, न कि जब वे हमारी सीमाओं के पास आते हैं। यह अवधारणा पहले भी मौजूद थी, लेकिन आज हमारे पास इसे साकार करने के साधन हैं। उन्होंने कहा कि जब हाइपरसोनिक मिसाइलें मिनटों में सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर सकती हैं और ड्रोन प्रतिक्रिया देने से पहले अपने लक्ष्यों तक पहुंच सकते हैं, तो वास्तविक समय की निगरानी न केवल फायदेमंद हो जाती है।

मणिपुर के पांच जिले में निषेधाज्ञा में 12 घंटे की ढील

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के पांच जिलों में बुधवार को लोगों आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी करने के लिए निषेधाज्ञा में 12 घंटे की ढील दी गयी है, जिससे लोग घरों से बाहर निकले। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, थौबल और बिष्णुपुर में सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक निषेधाज्ञा में ढील दी गयी है। हालांकि, इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध अभी भी लागू है। निषेधाज्ञा में ढील दिये जाने के बाद बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। लोग आवश्यक खाद्य वस्तुओं की खरीद के लिए बाहर निकले। इस दौरान लोगों इंटरनेट पर प्रतिबंध और एटीएम में नकदी की अनुपलब्धता के कारण वित्तीय लेनदेन बाधित होने की शिकायत की।

मांडविया ने की मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और मलेशिया के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और मलेशिया के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की है। श्री मांडविया ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्विटजरलैंड के जेनेवा में अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के दौरान अलग से मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और मॉरीशस के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की गई है। इन बैठकों के दौरान श्री मांडविया ने कौशल विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक श्रम आवागमन समेत कई प्रमुख मुद्दों पर संबंधित देशों के साथ भागीदारी और मजबूत करने पर चर्चा की। सभी मंत्रियों ने बैठक के दौरान भारत के डिजिटल प्लेटफॉर्म नेशनल कैरियर सर्विस और ई - श्रम की सराहना की। साथ ही सभी देशों ने इस प्लेटफार्म में रूचि दर्शायी और अपने-अपने क्षेत्र में शुरू करने में विचार विमर्श किया। श्री मांडविया अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भाग लेने के लिए 12 जून तक जेनेवा की यात्रा पर है।

कांग्रेस चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करेगी

अमरावती। महाराष्ट्र कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान गंभीर अनियमिततायें करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की अमरावती ग्रामीण जिला इकाई के अध्यक्ष बबलू देशमुख ने आयोग की निंदा करते हुये कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में है, जिसके विरोध में 14 जून को शाम पांच बजे अमरावती में मशाल जुलूस निकालकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जायेगी। श्री देशमुख ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनावी धोखाधड़ी

के सबूत पेश करने के बावजूद चुनाव आयोग ने इस बाबत कोई जवाब नहीं दिया है। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य इन अनियमितताओं को उजागर करना और भविष्य के चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता की रक्षा के लिए सुधारात्मक उपायों पर दबाव डालना है। यह जुलूस जिला कलेक्टर आशीष यारिकर को ज्ञापन सौंपने के साथ शुरू होगा और अरुण चौक पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास समाप्त होगा।

खरगे-राहुल ने लालू यादव को दी जन्मदिन पर बधाई

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के नेता लालू प्रसाद यादव को जन्मदिन पर बधाई देते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की है। श्री खरगे ने बुधवार को अपने संदेश में कहा, राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ श्री गांधी ने कहा,बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद

यादव जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। हमारे बीच का रिश्ता सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं रहा-यह एक गहरा मानवीय जुड़ाव रहा है, जो समान मूल्यों और सामाजिक न्याय के संघर्ष पर आधारित है। आपका जीवन संघर्षों से भरा रहा है, लेकिन आपने हमेशा मजबूती और हौसले के साथ उन लोगों की आवाज़ उठाई है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। आज आपके जन्मदिन पर मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं।

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण पर कांग्रेस का बड़ा एक्शन, 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

एजेंसी

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक और दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह पर कांग्रेस ने बड़ा एक्शन लिया है। लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यानी अब अगले 6 साल के लिए वह कांग्रेस पार्टी का हिस्सा नहीं रहेंगे। इस संबंध में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य (डीएसी) सचिव तारिक अनवर ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले कांग्रेस ने लक्ष्मण सिंह के बयान को लेकर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और 10 दिनों के अंदर जवाब देने को भी कहा था। इस बयान को पार्टी लाइन से हटकर माना गया था। जिसको लेकर लक्ष्मण सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण

तत्काल प्रभाव से छह वर्ष की अवधि के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। दरअसल, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ टिप्पणी की थी। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी ने इसे अनुशासनहीनता माना और एक्शन लेते हुए उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से बाहर कर दिया। लक्ष्मण सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला पर आतंकियों से मिले होने का आरोप लगाया था। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस को नेशनल कॉन्फ्रेंस से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। वहीं, लक्ष्मण सिंह ने गांधी परिवार पर टिप्पणी की थी, रॉबर्ट वाड्रा जीजा जी हैं राहुल जी के, उसने क्या कहा- मुसलमानों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देते इसलिए आतंकियों ने हमला किया। ये बचपना हम लोग कब तक झेलेंगे। राहुल गांधी सोच समझकर बात करें, वो नेता प्रतिपक्ष हैं।

राजा मर्डर केस में सनसनी: पत्नी सोनम का कबूलनामा,कहा -मैंने ही करवाई राजा की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी ने खुद पुलिस के सामने हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल ली है। मामले की जांच कर रही SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) की पूछताछ में सोनम टूट गई और बताया कि उसने ही अपने प्रेमी और सुपारी किलर्स के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मेघालय के शिलॉन्ग में आरोपियों का आमना-सामना कराया गया, जहां सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा को स्क्वॉड ने सबूतों के आधार पर सवालों के घेरे में लिया। जैसे ही सोनम को उसके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य दिखाए गए, वह रो पड़ी और जुर्म कुबूल कर लिया। जांच में सामने आया है कि सोनम का अपनी फैक्ट्री में काम करने वाले राज कुशवाहा से प्रेम संबंध था। उसने शादी तो राजा रघुवंशी से कर ली, लेकिन अपने पुराने प्रेमी को नहीं भुला सकी। शादी के महज 9 दिन बाद ही, उसने राजा को रास्ते से हटाने का खौफनाक प्लान बना और तीन शूटर- आनंद, आकाश राजपूत और विशाल उर्फ विक्की ठाकुर। मंगलवार रात को मेघालय पुलिस चार आरोपियों को लेकर

डाला। 20 मई को सोनम और राजा शिलॉन्ग रवाना हुए और 23 मई को वहां पहुंचने के बाद, पहले से मौजूद सुपारी किलर्स ने राजा की हत्या कर दी। अब तक की जांच में कुल पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं—सोनम रघुवंशी, उसका प्रेमी राज कुशवाहा शिलॉन्ग रवाना हुई, वहीं एक अन्य टीम सोनम को गाजीपुर से शिलॉन्ग लाई। सभी से गहन पूछताछ की जा रही है। इस मामले ने देशभर में सनसनी फैला दी है, जहां एक शादी, प्रेम और धोखे की खौफनाक कहानी सामने आई है।

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना व कांधला जैसी घटना नहीं होने देती: मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा देती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास महाराज की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास

महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांता भारत की धर्म और संस्कृति को रौंद रहे थे। उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। पवित्रता व निर्मलता का प्रतीक है रविदास महाराज का कथनसतगुरु रविदास महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया।

कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास महाराज के गुरु संत रामानंद महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई...।

कोरोना के एक्टिव मामलों का संख्या सात हजार के पार, 24 घंटे में छह की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के पार चली गई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 306 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7,121 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में छह मौतें दर्ज की गई। छह मौतों में से तीन केरल से, दो कर्नाटक से और एक महाराष्ट्र से दर्ज की गई। वहीं इस दौरान 929 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। अगर बात राज्यों की करें तो केरल में सबसे ज्यादा 2,223 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटे में 170 नए मामलों के साथ यहां सबसे ज्यादा नए संक्रमण मामले भी दर्ज किए गए। गुजरात में 114 नए मामले सामने आए, जिससे यहां सक्रिय संख्या

1,223 हो गई है। दिल्ली में भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखी गई और सक्रिय मामले 757 तक पहुंच गए हैं।

राजस्थान के जयपुर ग्रामीण में भीषण सड़क हादसा, पांच की मौत और आठ घायल

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के रायसर में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा सुबह करीब 6-10 बजे दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 पर रायसर क्षेत्र के भटकाबास गांव के पास हुआ, जहां एक ट्रक और बारातियों से भरी जीप (तूफान) की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि जीप के परखच्चे उड़ गए और शव बुरी तरह वाहन में फंस गए, जिन्हें निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जीप में सवार सभी लोग मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के मंडोली गांव से बारात लेकर राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी लौट रहे थे। हादसे में दुल्हन भारती (18) सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने इलाज के दौरान निम्स अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं

घायल बारातियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। रायसर थानाधिकारी रघुवीर ने बताया कि हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया व यातायात सुचारु करवाया। पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) आनंद शर्मा के अनुसार मृतकों में मंडोली जिला शहडोल, मध्य प्रदेश निवासी दुल्हन भारती (18), सीकर के श्रीमाधोपुर निवासी जीतू (33) पुत्र हरदयाल कुमावत, सुभाष (28) पुत्र मालीराम मीणा, झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी निवासी रवि कुमार (17) पुत्र छोटूराम मीणा शामिल हैं, जबकि एक अन्य मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। वहीं घायलों में झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी निवासी दूल्हा विक्रम मीणा (25), मोनू (28) पुत्र शंकरलाल मीणा, अलवर जिले के मंडावर निवासी प्रभुदयाल मीणा (45), सीकर जिले के श्रीमाधोपुर निवासी नरेश कुमार (35), नीमकाथाना निवासी रामू (30), श्रीमाधोपुर निवासी शंकर (35), झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी निवासी छोटेलाल (45) और संदीप पुत्र ताराचंद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है ।

कालकाजी भूमिहीन कैंप पहुंचीं आतिशी को लिया हिरासत में, बाद में छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में झुग्गियों पर बुलडोजर की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचीं आम आदमी पार्टी की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार दिल्ली के गरीबों को उजाड़ने पर तुली है और झुग्गियों को तोड़ने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं झुग्गीवालों के हक में आवाज उठा रही हूं और इसके लिए मुझे जेल भेजा जा रहा है। भाजपा और रेखा गुप्ता को इन गरीबों की हाय लगेगी। आआपा का आरोप है कि भाजपा सरकार का असली नारा जहां झुग्गी, वहां बुलडोजर बन चुका है। पार्टी ने कहा कि मद्रासी कैंप, वजीरपुर और अब भूमिहीन कैंप- भाजपा लगातार गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है। बाद में आतिशी ने इसी मुद्दे पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा, लेकिन अब डीडीए और दिल्ली पुलिस ने भूमिहीन कैंप में झुग्गियों को गिराने की तैयारी कर ली है। आआपा नेताओं का आरोप है कि कोर्ट में भी डीडीए ने इन झुग्गीवासियों को मकान देने से इनकार कर दिया।

जलभराव से मुक्ति के लिए युद्धस्तर पर हो रहा काम : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज शास्त्री नगर स्थित 'इरिगेशन एंड फ्लड कंट्रोल' (आईएंडएफसी) विभाग के अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और आगामी मानसून को लेकर तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री वर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर नालों की सफाई, यमुना के जलस्तर की निगरानी और बाढ़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजधानी को जलभराव से निजात दिलाने के लिए सरकार पूरी संजीदगी के साथ जुटी है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, यह हमारा आईएंडएफसी कंट्रोल रूम है, जो दिल्ली के 77 बड़े नालों और यमुना नदी के जलस्तर की 24 घंटे निगरानी करता है। यहां से लगातार यह देखा जाता है कि बारिश के दौरान जलप्रवाह कितना है, अपस्ट्रीम से कितना पानी छोड़ा जा रहा है और उसका नीचे की तरफ क्या असर पड़ेगा। जब जलस्तर बढ़ता है, तो यहीं से तय किया जाता है कि चेतावनी कब जारी होनी है और किन इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जाना है। 15 जून से मानसून शुरू होते ही, पुलिस, एसडीएम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी यहीं से समन्वय स्थापित करेंगे, ताकि कोई चूक न हो। आज मैं इसी व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लेने आया था।

पेड़ लगाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः रविन्द्र इंद्राज सिंह

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी स्थित राजकीय सह-शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, सेक्टर-22 में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि जब हम बच्चों को प्रकृति से जोड़ने की कोशिश करते हैं तो वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। पेड़ जीवन के लिए अनिवार्य हैं और विज्ञान के अत्याधुनिक युग में भी इनका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने पेड़ लगाने को समय की मांग बताते हुए कहा कि पेड़ केवल छांव और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि यह सैकड़ों प्रकार के जीव-जंतुओं का आश्रय भी हैं। इनका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। रविन्द्र इंद्राज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान की सराहना करते हुए बताया कि इस वर्ष दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। समाज कल्याण मंत्री ने सभी बच्चों और शिक्षकों का इस प्रयास में भाग लेने के लिए आभार किया और आग्रह किया कि यह पहल केवल एक दिन की न होकर जीवनभर की आदत बने।

एसबीआई ने दिव्यांगों के लिए सफदरजंग अस्पताल में बनाए शौचालय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स ने दिव्यांगों की सुविधा के लिए सफदरजंग अस्पताल में विशेष शौचालयों की सुविधा प्रदान की है। इस सुविधा को एसबीआई सीएपीएस के सीएसआर फंड से विकसित किया गया है। इस परियोजना का नेतृत्व प्रोफेसर और सलाहकार प्रो. अमिता साहनी ने किया, जो स्वयं एक दिव्यांग व्यक्ति हैं। प्रो. साहनी ने स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं तक पहुंचने में दिव्यांगों के समक्ष आने वाली दैनिक चुनौतियों और कठिनाइयों को पहले से समझने के बाद पहल की। इस सुविधा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल, एसबीआई सीएपीएस के कार्यकारी उपाध्यक्ष मुकुल मोदी और सीनियर उपाध्यक्ष एस के अरोड़ा मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने की विदेश दौरे से लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न देशों का दौरा कर वापस लौटे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। इस मुलाकात में सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों ने भाग लिया, जिन्होंने हाल ही में कई देशों का दौरा कर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ये मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी के आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई।

इन 7 प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के सांसदों के साथ-साथ पूर्व सांसद और अनुभवी राजनयिक शामिल थे। इन सभी ने अपने-अपने दौरे के अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार उन्होंने विभिन्न राष्ट्रों में भारत के दृष्टिकोण और मूल्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्होंने अपने विदेशी दौरों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के कठोर रुख और वैश्विक शांति के

प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को प्रमुखता से उजागर किया। उन्होंने यह भी बताया कि इन मुलाकातों के दौरान भारत की साख और विश्व में उसका प्रभाव और मजबूत हुआ। बता दें कि अलग-अलग दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों के कुल 7 समूह ने अलग-अलग देशों का दौरा कर आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को सामने रखा। भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को विदेश दौरे पर भेजने का फैसला किया था। ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए 26 पर्यटकों पर हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 33 से अधिक देशों का दौरा किया। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया। सात सांसदों ने अपने-अपने समूहों का नेतृत्व किया। चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें दो बीजेपी के, एक जेडीयू के और एक शिवसेना के सांसद शामिल थे। वहीं तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया, जिनमें एक-एक कांग्रेस, द्रमुक और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) से थे। पहले समूह का नेतृत्व भाजपा के बैजयंत पांडा ने किया। दूसरे समूह का नेतृत्व भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने किया।

दिल्ली कैबिनेटः स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर रोक के लिए अध्यादेश को मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी है। इसका नाम द दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीज) ऑर्डिनेंस, 2025 है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस संदर्भ में पत्रकार वार्ता में बताया कि यह फैसला लाखों छात्रों और उनके माता-पिता के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। मंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों से प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर कोई नियंत्रण नहीं था। इस अध्यादेश के माध्यम से माता-पिता के आर्थिक शोषण को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह अध्यादेश 01 अप्रैल 2025 से प्रभावी माना जाएगा। आशीष सूद ने कहा कि अध्यादेश को उपराज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। जैसे ही मंजूरी मिलती है, यह कानून के रूप में लागू हो जाएगा। शिक्षा मंत्री ने इस दौरान पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार में माता-पिता का लगातार आर्थिक शोषण होता रहा लेकिन अब, दिल्ली सरकार ने इस नाइंसाफी को खत्म करने का अहम फैसला किया है। आज का दिन मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक सुनहरा अवसर है। यह अध्यादेश निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने में मदद करेगा। दिल्ली में 1677 प्राइवेट स्कूलों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

प्रो. गौरव वल्लभ बने प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य

एजेंसी
नई दिल्ली। उदयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले और करीब 30,000 वोटों से हार का सामना करने वाले प्रोफेसर गौरव वल्लभ को अब केंद्र सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह परिषद देश के आर्थिक भविष्य को दिशा देने वाली सर्वोच्च सलाहकार संस्था मानी जाती है। उदयपुर से चुनाव हारने के कुछ समय बाद प्रो. गौरव वल्लभ ने बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। प्रो. गौरव वल्लभ उदयपुर के दामाद हैं और उनके ससुर अखिलेश जोशी हिंदुस्तान जिंक में सीईओ थे।

प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों में सुझाव देने वाली इस परिषद के चेयरपर्सन जाने-माने अर्थशास्त्री एस. महेंद्र देव हैं। गौरव वल्लभ को बतौर अर्थशास्त्री और वित्त विशेषज्ञ इस उच्चस्तरीय टीम में शामिल किया गया है। उनकी नियुक्ति को

सरकार ने आर्थिक नीति-निर्धारण में विविध दृष्टिकोण को समाहित करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है। प्रो. गौरव वल्लभ देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में वित्त और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रह चुके हैं। उन्होंने कॉरपोरेट फाइनेंस, मैक्रोइकॉनॉमिक्स और सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों में शोध और अध्यापन किया है। उनके 100 से अधिक शोध लेख दुनिया के प्रमुख अकादमिक जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं, जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर एक गंभीर और प्रभावशाली विद्वान के रूप में पहचान मिली है। हालांकि वे कांग्रेस पार्टी के सक्रिय प्रवक्ता भी रहे हैं और टीवी डिबेट्स में अपनी स्पष्ट आर्थिक समझ के लिए जाने जाते हैं, पर बीजेपी ज्वाइन करने के बाद वे बीजेपी के प्रवक्ता बन गए।

क्लासरूम घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया को दूसरी बार भेजा गया समन

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की तरफ से क्लासरूम घोटाला मामले में दूसरी बार समन भेजा गया है। इस बार उन्हें 20 जून को पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले भी उन्हें समन भेजा गया था, जिसमें उन्हें 9 जून को पेश होने के लिए कहा गया था। उन्होंने कुछ व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पेश होने से साफ इनकार कर दिया था, जिसके बाद अब उन्हें दूसरी बार यह समन भेजा गया है। इस मामले में सत्येंद्र जैन से भी पूछताछ हो चुकी है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। एसीबी ने 30 अप्रैल को मनीष सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

बता दें कि यह मामला करीब 2000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले से जुड़ा है। उन पर करीब 12,748 क्लासरूम और इमारतों के निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप है। एसीबी के मुताबिक क्लासरूम के निर्माण की लागत को असामान्य रूप से बढ़ाया गया। साथ ही जांच में यह भी पता चला कि क्लासरूम्स को सेमी-पर्मानेंट स्ट्रक्चर के रूप में बनाया गया। इसके अलावा, जिन ठेकेदारों को इसका ठेका मिला था, उनके संबंध 'आप' पार्टी से जुड़े थे। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बताया कि आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को सरकारी स्कूलों में 12,748 कक्षाओं के निर्माण में कथित 2,000 करोड़

रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में समन जारी किया है। उन दोनों पर बीते 30 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोप है कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मनमाने तरीके से क्लासरूम की लागत और साइज बढ़ाकर इसका फायदा लिया। दोनों पर सरकारी नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगा। क्लासरूम बनाने की लागत 24.86 लाख रुपये बताई गई, जबकि दिल्ली में इसी तरह के निर्माण की लागत 5 लाख रुपये का खर्च आता है।

पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका हैः रक्षा मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारत की सेनाएं आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, यह तो पाकिस्तान ने भी %ऑपरेशन सिंदूर% के दौरान देख लिया है। मगर पाकिस्तान है कि एक जिद्दी बच्चे की तरह मानता ही नहीं है। इसलिए पूरी दुनिया के लिए यह जरूरी है कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर हर तरह का रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक दबाव बनाया जाए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, अपनी जमीन पर उन्हें ट्रेनिंग और कई तरह की मदद दी है। पहलगाम तो सिर्फ एक उदाहरण है, पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के गुनाहों की लिस्ट बहुत लंबी है। पाकिस्तान हर बार आतंकवाद को सही ठहराने की कोशिश में लगा रहता है। इसलिए जरूरी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में, हम सिर्फ आतंकवादियों

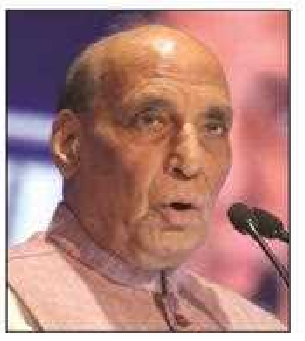

को ही नहीं, बल्कि उन्हें मदद करने वाले पूरे टेरर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी खत्म करें। रक्षा मंत्री ने कहा, मैंने तो पहले भी पाकिस्तान को सलाह दी थी और आज फिर कहना चाहता हूं कि अगर आपसे पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो भारत की मदद लीजिए।

रक्षा मंत्री का कहना था कि जब हम आतंकवाद के खतरे से मुक्त होंगे, तभी हम पूरी दुनिया में सही मायनों में शांति और प्रगति के साथ-साथ समृद्धि के लक्ष्य की तरफ बढ़ सकेंगे। यह सब तो पाकिस्तान की आम जनता भी चाहती है मगर वहां के हुक्मरानों ने पाकिस्तान को तबाही के रास्ते पर डाला हुआ है। कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता, लेकिन चूंकि उनके पास कोई स्पष्ट दिशा नहीं है, कोई रोडमैप नहीं है, इसलिए पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका है। रक्षा मंत्री ने याद दिलाते हुए कहा कि यह वही देश है जहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे घोषित आतंकवादी खुलेआम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। जहां आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान आर्मी के बड़े अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं। अब उसी पाकिस्तान से उम्मीद की जा रही है कि वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समुदाय का नेतृत्व करेगा, यह किसी क्रूर मजाक से कम नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नीयत और नीतियों दोनों पर गहरे सवाल खड़े करता है। यह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का उपहास है।

सबसे हालिया उदाहरण यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पाकिस्तान को काउंटर टेररिज्म पैनल का उपाध्यक्ष बनाया गया है। हैरानी की बात यह है कि यह काउंटर-टेररिज्म पैनल 9-11 हमले के बाद गठित किया गया था। हम सब जानते हैं कि 9-11 का हमला किसने किया था। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि उस हमले के मास्टरमाइंड को पाकिस्तान ने शरण दी थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह तो एक तरह से बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने की बात हुई।

दिल्ली विधानसभा में 'पानी की कहानी' पुस्तक का लोकार्पण, जल संरक्षण का संदेश

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज विधानसभा परिसर में आयोजित एक समारोह में पानी की कहानी पुस्तक का लोकार्पण किया। यह कार्यक्रम विधायी अध्ययन ब्यूरो और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

लोकार्पण अवसर पर विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जल जीवन का आधार है, लेकिन वर्तमान में हम एक गहरे जल संकट की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जल संरक्षण को केवल सरकारी दायित्व न मानते हुए इसे हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 'पानी की कहानी' पुस्तक विशेषकर युवाओं और छात्रों को जल की महत्ता समझाने और संरक्षण के व्यावहारिक उपायों को अपनाने की दिशा में प्रेरित करेगी। इस कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य और पुस्तक के लेखक संजय स्वामी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने जल संरक्षण को सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से जोड़ते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। अतुल कोठारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ विषय है। भारतीय परंपरा में जल को पूजनीय तत्व के रूप में देखा गया है और यह दृष्टिकोण आज पुनः अपनाने की आवश्यकता है।

कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल, शेखर यादव मामले में सरकार और चेयरमैन पर साधा निशाना

एजेंसी
नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के मामले को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रेसवार्ता में सरकार और राज्यसभा चेयरमैन पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या शेखर यादव को बचाने की कोशिश की जा रही है? सिब्बल ने कहा कि शेखर यादव का बयान सार्वजनिक है और इसमें कोई दो राय नहीं है, फिर भी सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस प्रक्रिया को रोकने के लिए चेयरमैन ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को पत्र लिखा। सिब्बल ने कहा कि 13 फरवरी 2025 को राज्यसभा चेयरमैन ने बयान दिया था कि जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार संवैधानिक रूप से संसद और राष्ट्रपति के पास है। इसके बाद मार्च 2025 में राज्यसभा के महासचिव ने सीजेआई को पत्र लिखकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महाभियोग की प्रक्रिया संवैधानिक है और इसे संसद के जरिए ही आगे बढ़ाया जाएगा। सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब महाभियोग प्रस्ताव अभी स्वीकार भी नहीं हुआ है, तो इन-हाउस प्रक्रिया से इसका क्या संबंध है? उन्होंने कहा कि इन-हाउस प्रक्रिया इसलिए बनाई गई थी, ताकि अगर कोई हाई कोर्ट जज अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन न करे, तो उसकी जांच हो सके। सिब्बल ने जोर देकर कहा कि शेखर यादव का बयान सबके सामने है और उन्होंने इसे नकारा भी नहीं है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए था कि क्या ऐसा जज अपनी कुर्सी पर बैठने के लायक है। उन्होंने कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया अलग है और इसका इन-हाउस जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर सरकार को यह प्रक्रिया पसंद नहीं, तो इसे रद्द करने

का अलग तरीका है। सिब्बल ने चेयरमैन के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें शेखर यादव मामले की जानकारी पब्लिक डोमेन से मिली। सिब्बल ने पूछा, अगर पब्लिक डोमेन की जानकारी के आधार पर चेयरमैन ने सीजेआई को पत्र लिखा, तो जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच की खबरें भी पब्लिक डोमेन में थीं।

द्वारका सेक्टर 13 स्थित सबद अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, फ्लैट की बालकनी से कूदने पर पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 स्थित सबद अपार्टमेंट में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। सातवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में अचानक आग लगने के बाद दो बच्चे और उनके पिता ने जान बचाने के लिए बालकनी से छलांग लगा दी। तीनों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था, लेकिन इस दौरान फ्लैट में फंसे परिवार ने घबराहट में यह खतरनाक कदम उठा लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आग लगने के समय फ्लैट में 35 वर्षीय यश यादव और उनके दो बच्चे मौजूद थे – एक 10 वर्षीय लड़का और एक 10 वर्षीय लड़की। दोनों बच्चों ने खुद को आग से बचाने के लिए बालकनी से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल बच्चों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बच्चों की मौत की खबर सुनने के बाद पिता यश यादव ने भी बालकनी से कूदने का प्रयास किया। उन्हें तुरंत

अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। आग लगने के कारणों की जांच जारी है, हालांकि शुरुआती जानकारी के मुताबिक शॉर्ट सर्किट को आग की वजह माना जा रहा है। फ्लैट में अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते राहत एवं बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा।

गरीबों के पक्ष में खड़े होने के चलते हमारे नेताओं को किया जा रहा गिरफ्तार : केजरीवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार गरीबों के आशियाने उजाड़ने पर तुली हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा सरकार कालकाजी में बुलडोजर चलवाकर झुग्गी-झोपड़ियों को तोड़ रही है, और जब स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। आतिशी ने बताया कि वह जब स्थानीय निवासियों से मिलने मौके पर पहुंचीं, तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। उनका आरोप है कि यह कार्रवाई जानबूझकर की गई है ताकि आम आदमी पार्टी के नेता गरीबों के साथ खड़े न हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें कालकाजी से करीब 43 किलोमीटर दूर बाबा हरिदास नगर थाने (झरोड़ा कलां) में हिरासत में रखा गया है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी

है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भाजपा सरकार पूरी दिल्ली में गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है, लोगों को बेघर कर रही है। जब आम आदमी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी होती है और उनकी आवाज उठाती है, तो हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर लिया जाता है। आज नेता विपक्ष आतिशी को हिरासत में लिया गया - ये तानाशाही है।÷ केजरीवाल ने कहा कि चाहे भाजपा उनके सभी नेताओं को गिरफ्तार कर ले, लेकिन उनकी पार्टी दिल्ली के आम नागरिकों और गरीबों के हक में आवाज उठाना जारी रखेगी। उन्होंने इस कार्रवाई को लोकतंत्र का गला घोंटने वाला कदम बताया। इस पूरी घटना को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। पार्टी ने ऐलान किया है कि वह इस बुलडोजर कार्रवाई और पुलिसिया दमन के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

सांसद खंडेलवाल ने चांदनी चौक का व्यापक निरीक्षण किया, अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। चांदनी चौक को भारत के प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रमुख स्थानों का व्यापक निरीक्षण किया। सांसद खंडेलवाल ने मौके पर ही कमियों को दूर करने और सुधार कार्यों को गति देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सांसद खंडेलवाल के निरीक्षण की शुरुआत लाल क़िला के पास स्थित गौरी शंकर मंदिर से हुई। उन्होंने बताया कि यह यात्रा दीवान हॉल रोड, साइकिल मार्केट, भागीरथ महल, शीशगंज गुरुद्वारा के सामने, फतेहपुरी मस्जिद चौक, खारी बावली, कुतुब रोड, सदर बाजार बड़ा टूटी चौक तक जारी रही। खंडेलवाल ने बताया कि स्थायी अतिक्रमण बिंदुओं के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की चिंताओं को भी नजदीकी से देखा। निरीक्षण का मुख्य ध्यान फुटपाथों और सड़कों पर किए गए अतिक्रमण पर था, विशेष रूप से फतेहपुरी मस्जिद चौक और शीशगंज गुरुद्वारा के सामने, जहां फुटपाथों को शेड्स से ढक दिया गया है और एयर कंडीशनर और कूलर लगाए गए हैं, जिससे पैदल यातायात लगभग असंभव हो गया है। उन्होंने पुलिस और अन्य अधिकारियों से कुतुब रोड रेलवे पुल और सदर बाजार में अतिक्रमण पर नियंत्रण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान खंडेलवाल ने कहा कि आज चांदनी चौक अराजकता का शिकार है, क्योंकि विभिन्न एजेंसियों के बीच कोई समन्वय नहीं है। इस कमी ने भारत के सबसे प्रतिष्ठित वाणिज्यिक क्षेत्रों में से एक को उपेक्षा की स्थिति में डाल दिया है। इसके लिए तत्काल एकता और उद्देश्य लाने की जरूरत है। निरीक्षण के दौरान कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी साथ रहे, जिनमें डीसी सिटी एसपी जोन, डीसीपी नॉर्थ, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, डीयूएसआईबी, बीएसईएस, और शाहजहानाबाद पुनर्विकास प्राधिकरण शामिल थे। उन्होंने मौके पर ही कमियों को दूर करने और सुधार कार्यों को गति देने के निर्देश दिए गए।खंडेलवाल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ एक व्यापक बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी, ताकि पुरानी ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान किया जा सके ।

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता

यदि 'घर' को 'भरोसे' से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी – यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुमार्ना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय,पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुई 'प्रगति' (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इम्प्लीमेनटेशन) बैठक में भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा)के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिनियम का सख्त अनुपालन परियोजनाओं की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे रेरा के तहत सभी रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण करें और उपभोक्ता शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

भारत में घर केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक होता है–हर मध्यमवर्गीय परिवार का सबसे बड़ा सपना। लेकिन आज यह सपना रियल एस्टेट की उलझनों में फंसा हुआ है। अधूरी परियोजनाएं, कब्जे में देरी और लगातार बढ़ती शिकायतें लाखों गृह-क्रेताओं की नियति बन चुकी हैं। समय पर निर्माण न होने से न सिर्फ लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ता दोहरी मार झेलते हैं–किराए और होम लोन की। 'प्रगति' जैसे उच्च-स्तरीय ई-गवर्नेंस मंच पर इस मुद्दे का उभरना रियल एस्टेट क्षेत्र में व्याप्त गंभीर समस्याओं को रेखांकित करता है।

2016 में लाग ू रेरा का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, बिल्डरों की जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। परंतु व्यवहार में रेरा अनेक चुनौतियों से घिरा है–सीमित अधिकार, जटिल अपील प्रक्रियाएं, सेवानिवृत नौकरशाहों की नियुक्ति, पेशेवर हितसाधकों एवं व्यवसाय विशेषज्ञों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप इसके प्रभाव को कमजोर करते हैं।

बिल्डरों को असंवेदनशील नौकरशाही की प्रशासनिक बाधाओं, जटिल अनुमोदन प्रणाली, पक्षपातपूर्ण निर्णय और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परियोजनाएं लटक रही हैं। परिणामस्वरूप, रेरा के तहत पंजीकृत परियोजनाएं कम हैं, लेकिन शिकायतें अधिक, जो इसके कमजोर क्रियान्वयन को उजागर करता है।

सराहनीय उद्देश्य के बावजूद रेरा की क्रियान्वयन क्षमता सीमित है। रेरा अधिकारियों के पास सीमित दंडात्मक शक्ति तो है, लेकिन उनकी सिफारिशों को लागू कराने का कोई ठोस तंत्र नहीं है। राज्य सरकारों द्वारा रेरा को गंभीरता से लागू न करने के कारण यह कानून निष्प्रभावी हो गया है। आदेशों की अवहेलना होने पर उपभोक्ता को वर्षों की कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता, और कई बार रेरा के वरिष्ठ अधिकारी ही आवंटियों को हाईकोर्ट जाने की सलाह देते हैं।

रेरा, बिल्डर का पंजीकरण रद्द होने की स्थिति में, आवंटितियों को संगठित करउनकी संस्था द्वारा शेष निर्माण कार्य पूरा करने की अनुमति दे सकता है। व्यावहारिक रूप से बिल्डर के सहयोग के बिना अनुभवहीन आवंटियों के लिए पंजीकृत संस्था बनाना और मार्टगेज भूसंपत्ति का पंजीकरण कराना कठिन होता है।यह प्रक्रिया प्रायः लालफीताशाही की जटिलताओं में उलझकर रह जाती है।

रेरा अक्सर अधूरे निर्माण कार्यों को बिना लाभ के पूर्ण करने का दायित्व राज्यों के अर्ध-शासकीय निकायों, जैसे गृह निर्माण मंडल, को सौंपता है। ये निकाय प्रायः रेरा के आदेशों का पालन नहीं करते, और शासन स्तर पर भी कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं होता।

रेरा अक्सर आवंटियों के पक्ष में निर्णय देता है, लेकिन बिल्डर से राशि वसूलने में गृह खरीदारों को प्रशासनिक सहायता नहीं मिलती। क्रेता जिलाधिकारी कार्यालय में रिकवरी रेवेन्यू सर्टिफिकेट दाखिल कर वसूली शुरू कर सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया बेहद धीमी और अप्रभावी है। जब सरकार स्वयं कर वसूली में असमर्थ है, तो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा ईश्वर के भरोसे ही रह जाती है। रेरा में पदस्थ पूर्व नौकरशाह भी क्रेताओं के हित में जिला प्रशासन पर अपने प्रशासनिक रसूख का उपयोग कर वसूली हेतु दबाव नहीं बनाते।

रेरा के प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण विसंगति यह है कि अपीलीय अधिकरण द्वारा दिया गया निर्णय सिविल न्यायालय की डिक्री की तरह निष्पादनीय होता है, लेकिन रेरा में नियुक्त न्यायनिर्णायक अधिकारी को यह अधिकार प्राप्त नहीं है कि वह परिवाद की सुनवाई के बाद सिविल न्यायालय के समकक्ष निर्णय दे सके। यह विसंगति रेरा की प्रथम स्तर की कार्यवाही की प्रभावशीलता को सीमित करती है और आवंटितियों को त्वरित न्याय प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करती है।

रेरा को बिल्डर, आबंटी या रियल एस्टेट एजेंट से आवश्यक जानकारी मांगने और जांच करने का अधिकार है। जांच के बाद, यह दीवानी आदेश जारी कर सकता है, लेकिन आपराधिक कार्रवाई शुरू नहीं कर सकता । धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस केस दर्ज करने के लिए आबंटियों को स्वतंत्र रूप से भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई करनी पड़ती है।

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश

– सर्वमित्रा सुरजन

इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था।

इंदौर के हनीमून केस पर सोशल मीडिया में एक भयावह टिप्पणी पढ़ने मिली। लिखा था कि औरत को आजादी देने का अंजाम देख लिया। अब समझ में आया कि पहले औरतों पर अंकुश लगाकर क्यों रखा जाता था।

दरअसल यह उसी मनुवादी सोच से निकला विचार है जिसमें औरत को पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटे के आश्रित रखा जाता है। महिला का अपना स्वतंत्र अस्तित्व न हो, यह बात पुरुष सत्तात्मक समाज के लिए एकदम उपयुक्त रहती है। क्योंकि जहां स्वतंत्रता रहेगी, वहां अपनी जिम्मेदारी खुद लेने का जज्बा भी दिखाया जाएगा, साथ ही अपने लिए अधिकार भी मांगे जाएंगे। यह सारी बातें अधिकतर पुरुषों के लिए दुस्वप्न है कि उनके सामने महिला इस तरह की बराबरी दिखाए। समाज में इसी बात को सामान्य मान लिया गया है कि पुरुष स्त्री का सम्मान तो करे, लेकिन अपने से निचले पायदान पर रखकर। अगर स्त्री को बराबरी पर रखा जाएगा तो फिर वह और आगे निकलने की ख्वाहिश रखेगी, ये डर पितृसत्तात्मक समाज की संरचना में गूंथ दिया गया है। यही डर हनीमून केस में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है।इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है।मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्रेम त्रिकोण के मामले पहले हुए ही नहीं, या उनमें हत्या जैसा अतिरेक भरा कदम नहीं उठाया गया हो। लेकिन अक्सर इनमें स्त्री पीड़ित रहती थी, उसे मारा जाता था, तो इसमें समाज को कुछ असामान्य नहीं लगा।

अब बीते कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि पत्नी ने पति की हत्या करवाई है, जिन्हें समाज अब अपने लिए बड़ी चेतावनी की तरह देख रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के डेटा और विभिन्न राज्य क्राइम रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे पांच राज्यों में कुल 785 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की या हत्या करवाई है। हालांकि कितने पतियों ने इसी तरह अपनी पत्नियों का कत्ल किया या करवाया होगा, इसके आंकड़े नहीं हैं। दहेज हत्याओं के आंकड़े जरूर दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच ही देशभर में 35,493 महिलाओं की मौत दहेज हत्या के कारण हुई, यानी हर दिन कम से कम 20 वधुएं मारी गई हैं। दहेज हत्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान देश में अग्रणी रहे हैं।

कायदे से जितनी चिंता 785 मौतों पर की जा रही है, उतनी ही 35 हजार मौतों पर भी होनी चाहिए। लेकिन समाज यहां भी भेदभाव का नजरिया रखता है। मरने वाली स्त्रियां हैं, तो यह दुखद है, सामाजिक समस्या भी है, लेकिन चेतावनी की बात नहीं है। लेकिन मरने वाले पुरुष हैं तो फिर सारा सामाजिक विमर्श ही बदल जाता है। असल में वैवाहिक संबंध की यह परिणति पूरे समाज के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। समाजशास्त्रियों को अब विवाह संस्था पर नए सिरे से अध्ययन की जरूरत है कि आखिर इसमें कहां चूक हो रही है कि एक पक्ष इस सीमा तक पहुंच जाए कि अपने जीवनसाथी की हत्या कर दे। सोनम रघुवंशी पर आरोप अभी सिद्ध नहीं हुआ है, इससे पहले कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं ने अपने पुरुष साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जाहिर है ये जघन्य अपराध है और उसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हत्या की जो सजा पुरुष के लिए होती है, वही स्त्री के लिए भी होती है। मगर जिन मामलों में महिलाएं दोषी होती हैं, उसके लिए पूरे स्त्री समाज को जिम्मेदार ठहराना क्या उचित है। लेकिन ऐसा लगता है मानो स्त्रियों को फिर से बंधन में डालने के लिए मौकों को तलाशा जा रहा है। हनीमून केस या नीले ड्रम में पति की लाश जैसे प्रकरण इन मौकों को बना रहे हैं। यहां गौर करने वाला एक पहलू यह है कि जो इंसान पेशेवर अपराधी नहीं होते, वे किस तरह इतने भयावह योजनाबद्ध तरीकों से ऐसी हत्याओं को अंजाम देते हैं, इसके पीछे कौन से मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण हैं, इनकी भी पड़ताल होनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि इन घटनाओं को केवल स्त्री बनाम पुरुष के खांचे में फिट कर देखा जाता है।

सोनम रघुवंशी मामले में मीडिया की भूमिका पर भी विचार होना चाहिए। पहले अपराध कथाएं मनोहर कहानियों जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं और घरों पर अमूमन उन्हें बच्चों से दूर रखा जाता था कि ऐसी बातों का बुरा असर उनके नाजुक मन पर पड़ता है। लेकिन अब मुख्यधारा और सोशल दोनों तरह के मीडिया में यही प्रकरण छाया हुआ है। मुख्यधारा के मीडिया में अपराध की खबरों के लिए अलग बुलेटिन होता है, लेकिन जब देश-समाज के अन्य जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाना हो तो ऐसी खबरें चटखारों के साथ प्रस्तुत करना फायदेमंद होता है। मीडिया के माइक्स शिलांग के जिस गेस्ट हाउस में सोनम-राजा रघुवंशी ठहरे थे, वहां से लेकर सोनम के कथित मित्र राज कुशवाहा के घर तक ठूंसे जा चुके हैं। एक वीडियो आया है जिसमें राज कुशवाहा की मां अपील कर रही है कि पत्रकार उनके घर के भीतर इस तरह न आएं, लेकिन टीआरपी के गिद्धों की दृष्टि अपने शिकार पर लगी हुई है। इसी मीडिया ने सोनम को पुलिस के कहने के पहले ही अपराधी साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जब राजा रघुवंशी की मां कह रही थी कि जांच पूरी होने दी जाए, हमें नहीं लगता कि सोनम ने ऐसा कुछ किया होगा, तब भी मीडिया सोनम को अपराधी बना चुका था। मीडिया ट्रायल का यह सिलसिला देश में लगातार जारी है और इस पर कोई अंकुश नहीं लग रहा यह चिंता की बात है।

उधर सोशल मीडिया पर चटखारों के साथ इस प्रकरण पर रील्स, मीम्स न जाने क्या-क्या परोसा जा रहा है। कोई सलमान खान का उदाहरण दे रहा है कि इसलिए भाई अकेले रहते हैं, कोई हम दिल दे चुके सनम के दृश्य दिखा रहा है। एक गंभीर घटना पर ऐसा ओछा रवैया दिखा रहा है कि समाज से संवेदनशीलता कितनी तेजी से खत्म होती जा रही है। खुद राजा रघुवंशी की बहन, जो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कही जाती है, उसने राजा की शादी की तैयारियों के कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, साथ ही उसके साथ पार्श्व में संगीत देकर अपने दिवंगत भाई को याद किया। एक बहन ने अपने भाई को असमय खोया है, यह बड़ा दुख है, लेकिन क्या इस मौके पर भी सोशल मीडिया को जरिया बनाकर भावनाएं प्रकट की जानी चाहिए, यह सोचने वाली बात है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स स्त्री स्वतंत्रता को लेकर की गई भद्दी टिप्पणियों से भरे हुए हैं, जिन्हें देखकर चिंता होती है कि स्त्री अधिकारों के लिए जो अथक संघर्ष किया गया है, कहीं इन घटनाओं की आड़ लेकर उसे खारिज न किया जाए।आखिरी बात, सोनम से मिलकर लौटे उसके भाई गोविंद ने राजा की मां से गले लगकर दुख प्रकट किया और पूरे परिवार से माफी मांगते हुए कहा कि उनकी बहन ने गलत किया है, मगर मैं अब से आपके परिवार का हिस्सा हूं। राजा की मां ने भी कहा है कि इसमें गोविंद की कोई गलती नहीं है। अमूमन ऐसे प्रकरण के बाद दो परिवारों में आजीवन कड़वाहट कायम हो जाती है। यहां आगे क्या होगा, यह कहा नहीं जा सकता। मगर इस समय जो बड़प्पन, माफी मांगना और माफ करने की उदारता दिखाई गई है, वह समाज में आगे अच्छा होने की उम्मीद बंधाती है।

नौपता के बाद झुलसता जीवन

मान्यता है कि भारत में नौपता के दिनों में सबसे अधिक गर्मी पड़ती है। यह बात अलग है कि इस बार नौतपा के नौ दिनों ने अधिक नहीं सताया। नौतपा खत्म होने के बाद पड़ रही गर्मी ने हाल-बेहाल कर दिया है। नौतपा पर कहावत है,"तपै नवतपा नव दिन जोय, तौ पुन बरखा पूरन होय"। इसका अर्थ है कि यदि नौतपा के नौ दिन खूब तपते हैं, तो बारिश अच्छी होगी।

यह एक अवधि है मानी जाती है। अब तक का यह शाश्वत सत्य है कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो गर्मी अपने चरम पर होती है। यह कहावत नौतपा के गर्मी के प्रभाव और उसके मानसून पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच सीधे संबंध को रेखांकित करती है। देश का किसान इस कहावत पर विश्वास करता है। उसका दृढ़ विश्वास होता है कि नौतपा के दौरान अगर अच्छी गर्मी हो तो मानसून के दौरान अच्छी बारिश होगी।

नौतपा पर एक अन्य मारवाड़ी कहावत है, "दोए मूसा, दोए कातरा, दोए तिड्डी, दोए ताव । दोयां रा बादी जल हरै, दोए बिसर, दोए बाव।" अर्थात पहले दो दिन लू न चले तो चूहे अधिक होंगे । दूसरे दो दिन हवा न चले तो कातरे (फसलों को नष्ट करने वाले कीट) बहुत होंगे । तीसरे दो दिन हवा न चले तो टिड्डी दल के आने की आशंका रहती है । चौथे दिन हवा न चलने पर बुखार आदि रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है । पांचवें दो दिन हवा न चलने पर अल्प वर्षा होती है। छठे दो दिन लू न चले तो जहरीले जीव-जन्तुओं (सांप-बिच्छू आदि) की बहुतायत हो जाती है। सातवें दो दिन हवा न चले तो आंधी चलने की आशंका रहती । सरल अर्थ में सार यह है कि अधिक गर्मी पड़ने से चूहों, कीटों व अन्य जहरीले जीव-जन्तुओं के अंडे समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि यह उनका प्रजनन काल होता है । इस समय लगभग सारा देश गर्मी से झुलस रहा है। कुछ राज्य बरसात होने से राहत महसूस कर रहे हैं। झुलसाती गर्मी रात को भी पीछा नहीं छोड़ रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आज सुबह के पूवार्नुमान ने तो डरा ही दिया है। इसमें साफ कहा गया है कि अगले चार दिन तक उत्तर-पश्चिम भारत में बढ़ते अधिकतम तापमान से कोई राहत मिलने के आसार नहीं हैं। हालांकि उसके बाद धीरे-धीरे दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से गर्मी से राहत मिल सकती है। इसके अलावा अगले दो से तीन दिन के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

इस समय देश की राजधानी दिल्ली भी भीषण गर्मी से कराह रही है। 10 जून को तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है।

आज अधिकतम तापमान के 44 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूवार्नुमान लगाया है। नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी शहर भी गर्मी के प्रकोप से अछूते नहीं हैं। कल यानी 10 जून को तो पंजाब के भटिंडा में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके उलट महाराष्ट्र के नांदेड़ में न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 16 जून तक पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में गर्म हवाएं चलने का पूवार्नुमान जारी किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश भी तप रहा है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश को 12 जून को भी झुलसाने वाली हवा से छुटकारा मिलने के आसार नहीं हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा में सूरज आग उगल रहा है। वैज्ञानिकों को मौसम में बदलाव 16 जून से शुरू होने की उम्मीद है। मगर कुछ जगह इससे पहले ही कुछ राहत मिल सकती है। मसलन उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में 12 जून से ही गरज के साथ बादल जमकर बरस सकते हैं।

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्सों में जारी चक्रवाती प्रसार व हवाओं के ट्रफ से आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। इन सभी राज्यों में 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ भारी बारिश के बीच आसमानी बिजली गिरने के आसार हैं।

पूर्वोत्तर भारत के इन राज्यों में भी 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक पानी बरस सकता है। बिहार, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के अलग-अलग हिस्सों में 50 से 60 किलीमीटर प्रति घंटे की गति से तूफानी हवा चलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 14 जून के आसपास मध्य और आसपास के पूर्वी भारत के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बताई जा रही हैं।

आपदा में एक और अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने आवास पर भारत के आउटरीच कार्यक्रम के लिए कई देशों की यात्रा करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। फिलहाल यह कहा नहीं जा सकता कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडलों की यह मुलाकात अनौपचारिक थी या औपचारिक। क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुद कहा है कि यह बिल्कुल औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम लोगों ने जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री को दी, वो उन्होंने प्रस्तुत भी नहीं की। गौर करने वाली बात यह है कि शशि थरूर ने यह जिक्र खेद के साथ नहीं बल्कि प्रसन्नता के साथ किया।

प्रधानमंत्री के आवास पर हुए इस मेलजोल कार्यक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें श्री मोदी के बगल में शशि थरूर दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी प्रधानमंत्री से बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद के साथ श्री मोदी मुस्कुराते हुए मिलते नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के साथ तो ठहाके लगाते तस्वीरें आई हैं। चंद कांग्रेस नेताओं से इस अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी क्यों मिल रहे हैं, यह सवाल अब उठने लगे हैं। हो सकता है कि उनकी अन्य दलों के नेताओं से भी इसी तरह हंसी-खुशी भेंटवार्ता हुई हो, लेकिन उनके वीडियो-तस्वीरें इतने वायरल क्यों नहीं किए गए, ये भी सोचने वाली बात है। वैसे सबसे अधिक विचारणीय पहलू तो यह है कि देश के मुखिया को इतने सांसदों के साथ हंसी-ठहाके लगाते, खाते-पीते देखकर पहलगाम पीड़ितों के दिलों पर क्या बीत रही होगी। वे तो अब तक इस इंतजार में थे कि आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर तक जाकर पकड़ कर लाने का ऐलान करने वाले श्री मोदी अपने वादे को पूरा करेंगे। लेकिन डेढ़ महीने बाद पीड़ितों के जख्म तो हरे ही हैं, और ऐसे में सरकारी हंसी-ठट्टा उनके जख्मों पर नमक के समान लग रहा होगा।

पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की आधी रात में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ किया था, जो 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की सूचना के बाद समाप्त कर दिया गया। हालांकि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री यह कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके तहत आगे और क्या कार्रवाई हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से युद्धविराम की सूचना पहले कैसे आई, क्या अमेरिका ने वाकई भारत और पाकिस्तान के संबंधों में दखलंदाजी की है। क्या यह शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं है, जिसमें यह करार हुआ था कि दोनों देशों के बीच किसी भी मामले में तीसरे पक्ष को नहीं आने दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया तो क्या भारत भी उसी रास्ते पर चल रहा है। क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी। लेकिन प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। बल्कि देश को बताया गया कि अब सात प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर क्यों करना पड़ा, किस तरह पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दी जाती है, इस बारे में दुनिया को आगाह करेंगे। खास बात यह रही कि इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के लोग शामिल थे।

सात प्रतिनिधिमंडलों में नेतृत्व की कमान रविशंकर प्रसाद, बैजयंत पांडा, संजय कुमार झा, कनिमोझी करुणानिधि, सुप्रिया सुले, शशि थरूर और श्रीकांत एकनाथ शिंदे को सौंपी गईं। इनके नेतृत्व में 51 नेताओं और 8 राजदूतों ने 33 देशों में जाकर भारत सरकार का पक्ष रखा। एकबारगी देखने पर यह पहल ठीक लगी कि नरेन्द्र मोदी ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों को साथ लेने, बल्कि नेतृत्व करने का अवसर भी दिया। लेकिन गहराई से सोचें तो इसके जरिए श्री मोदी ने एक बड़ा खेल करने की कोशिश की। प्रतिनिधिमंडल को भेजकर वे खुद देश को जवाब देने से बचते रहे।

गर्मियों में ज्यादा पसीना आना क्या किसी बीमारी का लक्षण है? एक्सपर्ट से जानें

इन दिनों तापमान 45 का आंकड़ा भी पार कर रहा है. इसके साथ ही वायु प्रदूषण तपती और जलती गर्मी में और ज्यादा बढ़ोतरी कर रहा है. इस गर्मी में पसीना आना बेहद ही सामान्य बात है. गर्मियों में अधिक पसीना आना शरीर को ठंडा रखने के लिए सामान्य प्रक्रिया है. लेकिन, अगर ठंडे हवादार कमरे में बैठने पर भी आपको पसीना आ रहा है तो यह एक बीमारी हो सकती है. इस बीमारी का इलाज जरूर करवाना चाहिए. इलाज नहीं करवाने पर कई तरह की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इस बारे में हमने डॉक्टरों से बात की है.

एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि सामान्य से ज्यादा या अधिक पसीना आना कई कारणों से हो सकता है. इसके पीछे अनुवांशिक कारण भी होता है. इसके अलावा गर्मी में ज्यादा मेहनत करने से भी अधिक पसीना आता है. शरीर में बगल, चेहरे, हाथ और पैरों पर पसीना आता है. ज्यादा गर्मी के कारण पूरे शरीर से भी पसीना निकल सकता है. लेकिन अगर बिना किसी कारण के अधिक पसीना आ रहा है तो ये हाइपरहाइड्रोसिस नामक बीमारी के कारण भी होता है. कुंडली में था मौत का योग! सोनम ही नहीं, हत्या में एक और लड़की...वो भी सामने आएगी; राजा रघुवंशी के पंडित के दावों ने उड़ाए होश दिल्ली में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ अजय कुमार बताते हैं कि हाइपरहाइड्रोसिस के कई कारण हो सकते हैं. इनमें तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याएं, हार्मोनल असंतुलन, आनुवंशिक कारण, तनाव और कुछ दवाओं के कारण भी यह बीमारी होती है. हाइपरहाइड्रोसिस के कारण आने वाला पसीना हाथ, पैर, बगल और चेहरे पर ज्यादा पसीना आता है. पसीने में दुर्गंध भी होती है. अत्यधिक पसीना आने पर डिहाइड्रेशन भी हो सकती है. बीमारी का इलाज नहीं करवाने से तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्या बढ़ सकती है और हार्मोनल असंतुलन के कारण कई और भी बीमारियां हो सकती हैं. इसके अलावा हृदय रोग और संक्रमण के कारण भी अधिक

नहीं होगी चूक, हम हैं तैयार: अभिषेक मोहन गुप्ता

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग 2024 की उपविजेता भोपाल लेपर्ड्स इस बार जोरदार वापसी के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है। इस सीजन में भोपाल लेपर्ड्स की शुरुआत 13 जून को जबलपुर रॉयल लायंस के खिलाफ होने वाली है। टीम इस सीजन के लिए दिन के साथ ही भविष्य की परिस्थितियों के अनुरूप फ्लडलाइट्स में भी खूब पसीना बहा रही है। अभ्यास सत्र के दौरान भोपाल लेपर्ड्स के मालिक अभिषेक मोहन गुप्ता ने कहा, इस बार हमारे पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था और हम इसका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। हमने मैदान में फ्लडलाइट्स के नीचे अच्छी प्रैक्टिस की है और हम अपनी तैयारियों लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टीम ने अपने दल को रणनीतिक रूप से और मजबूत किया है ताकि संतुलित और शक्तिशाली टीम के साथ मैदान में उतर सकें। टीम की तैयारियों के बारे में गुप्ता ने आगे कहा, इस बार हमारा पूरा प्रयास है कि पिछली बार जो चूक हुई थी वहां से एक कदम आगे बढ़ाते हुए ट्रॉफी हासिल कर सकें। हमने अलग-अलग भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को जोड़ा है। इस बार हमारी टीम पहले से ज्यादा संतुलित है। हमने तैयारी के लिए काफी समय निकाला और मुझे लगता है कि यही चीजें हमें टूर्नामेंट के अंत में टॉप पर पहुंचाएंगी।

जेएससीए ने एमएस धोनी के आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने का जश्न मनाया

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने आईसीसी हॉल ऑफ फेम में एमएस धोनी के शामिल होने के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया। खबर है कि 2025 बैच के हिस्से के रूप में, धोनी की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पूर्व संध्या पर की गयी, जिसमें क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गयी। अपने शानदार 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान धोनी ने कई पुरस्कार जीते। भारत को कई जीत दिलाई और क्रिकेट के महान दिग्गजों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया। जेएससीए समारोह में अजय नाथ शाहदेव (अध्यक्ष), संजय पांडे (उपाध्यक्ष), सौरभ तिवारी (सचिव), अमिताभ घोष (कोषाध्यक्ष), और अन्य सम्मानित समिति के सदस्यों के साथ-साथ एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए।

हॉकी इंडिया ने 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 21 से 25 जून तक जर्मनी के बर्लिन में आयोजित होगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता चार मजबूत टीमों भारत, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान जर्मनी के बीच खेली जाएगी। प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एक वर्गीकरण मैच खेलेंगी। यह टूर्नामेंट भारतीय जूनियर टीम के लिए एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारी का अहम हिस्सा होगा, जो इस साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित होगा। भारतीय टीम की कमान अरिजीत सिंह हुंडल के हाथों में होगी, जो अपनी आक्रामक क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए हमेशा प्रशंसा प्राप्त करते हैं। डिफेंडर अमीर अली, जो अपनी ठंडक और अनुभव के लिए जाने जाते हैं, को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट और टीम का चयन भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, '4 नेशंस टूर्नामेंट हमारे एफआईएच जूनियर विश्व कप की तैयारी के रोडमैप का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अर्जेंटीना ने मेसी के बिना खेलना सीख लिया : स्कैलोनी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कैलोनी ने कोलंबिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले से पहले कहा कि उनकी टीम अब लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति में भी बिना किसी समस्या के खेल सकती है और अब उन्हें लाइन-अप में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती। मेसी ने 2005 में अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और अब तक 192 मैचों में 112 गोल किए हैं। उन्होंने 2022 में वर्ल्ड कप, दो कोपा अमेरिका खिताब और 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता है। 37 वर्षीय मेसी मार्च में हुए उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत और ब्राजील के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत में चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अर्जेंटीना ने उस अंतरराष्ट्रीय ब्रेक में 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली थी। मेसी इस महीने के वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए टीम में लौटे और चिली के खिलाफ 1-0 की जीत में उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। स्कैलोनी ने ब्यूनस आयर्स में पत्रकारों से कहा, अब टीम इस स्थिति में है कि वह मेसी के साथ या बिना उस ही तरह से खेल सकती है।

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है।

उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कुल 524 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 196.25 रहा और उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े। अब एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी का जिम्मा संभालते हुए निकोलस पूरन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी का जलवा अमेरिका की लीग में दिखाने को तैयार हैं।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर - वांग युडोंग के पेनल्टी गोल से चीन ने बहरीन को 1-0 से हराया

एजेंसी

चोंगकिंग। 18 वर्षीय युवा फारवर्ड वांग युडोंग द्वारा इंजरी टाइम में किए गए पेनल्टी गोल की बदौलत चीन ने बहरीन को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफाइंग अभियान का समापन जीत के साथ किया।

पिछले गुरुवार को क्रमशः इंडोनेशिया और सऊदी अरब से हारने के बाद चीन और बहरीन दोनों ही टीमें ग्रुप स्टेज से बाहर हो चुकी थीं और एशियाई क्वालिफायर प्लेऑफ के अगले चरण में जगह नहीं बना सकीं। सम्मान के मैच कहे जा रहे इस अंतिम मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के पास गोल करने के बहुत कम मौके आए। दूसरे हाफ में चीन ने बेहतर नियंत्रण दिखाया। वांग युडोंग ने बाएं छोर से लगातार आक्रमण किए और कई बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन बहरीन के गोलकीपर ने उनके सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया।

आखिरकार, 93वें मिनट में वांग को अपनी मेहनत का फल मिला। वांग झिमिंग की क्रॉस गेंद पर बहरीन के डिफेंडर के हैंडबॉल करने पर चीन को पेनल्टी मिली, जिसे वांग युडोंग ने शांत चित्त होकर गोल में बदलते हुए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज किया। इस जीत के साथ चीन ने क्वालिफायर अभियान में कुल 9 अंक (3 जीत, 7 हार) अर्जित किए और ग्रुप सी में पांचवें स्थान पर रहा, बहरीन से तीन अंक आगे। ग्रुप सी की टॉप टीम जापान पहले ही अगले साल के विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जबकि दूसरा स्थान सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीधे मुकाबले से तय होगा।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए।

बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है – मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया। दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है। अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेजुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राज़ील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राज़ील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली।इस जीत के साथ ब्राज़ील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राज़ील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है

जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली। 2022 कतर विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली इक्वाडोर की टीम अब पांचवीं बार विश्व कप में खेलेगी। पेरू के खिलाफ मुकाबले में इक्वाडोर को रेड कार्ड मिलने के बावजूद टीम ने साहसिक प्रदर्शन करते हुए जरूरी एक अंक हासिल किया। इन दोनों परिणामों के बाद दक्षिण अमेरिका से विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने वाली दो और टीमों का नाम तय हो गया है।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्सः अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज़्बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

अल्माडा ने दिलाई अर्जेंटीना को राहत

ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब एंज़ो फर्नांडीज को

दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया की शानदार वापसी और क्वालिफिकेशन पक्का: जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की। जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप छ में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप में पहले स्थान पर रहा।

आईओसी अध्यक्षीय हस्तांतरण समारोह 23 जून को

एजेंसी

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक 23 जून को एक विशेष समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किर्स्टी कोवेंट्री को सौंपेंगे। यह हस्तांतरण समारोह आईओसी मुख्यालय 'ओलंपिक हाउस' में सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 2-30 बजे से 3-45 बजे तक) आयोजित किया जाएगा। थॉमस बाक ने 2013 में ब्यूनस आयर्स में आयोजित 125वें आईओसी सत्र में चुनाव जीतकर नौवें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने आठ वर्षों का पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद मार्च 2021 में बिना किसी विरोध के पुनः निर्वाचित होकर दूसरा चार वर्षीय कार्यकाल शुरू किया। मार्च 2025 में ग्रीस में आयोजित 144वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें आईओसी का आजीवन मानद अध्यक्ष चुना गया। वहीं, मार्च 2025 में चुनी गई किर्स्टी कोवेंट्री आईओसी की 10वीं अध्यक्ष बनने जा रही हैं। वे इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली अफ्रीकी और पहली महिला अध्यक्ष होंगी।यह समारोह आईओसी मीडिया के यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित किया जाएगा, जिसे दुनियाभर के दर्शक देख सकेंगे।

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए 'गेम-चेंजर' बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं।एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग

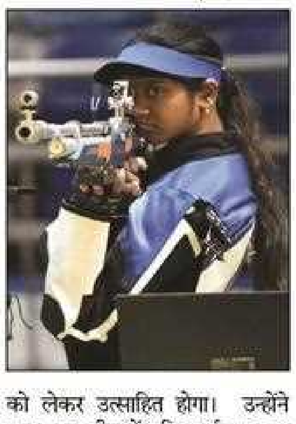

को लेकर उत्साहित होगा। उन्होंने कहा, इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे। अंत में उन्होंने कहा, चूंकि लीग बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है और विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा होंगे, तो यह युवाओं को इस खेल के प्रति आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे नई पीढ़ी को शूटिंग को जानने और सीखने का बड़ा मौका मिलेगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायरः डी ब्रून ने बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ दिलाई रोमांचक जीते

ब्रुसेल्स। केविन डी ब्रून ने अंतिम क्षणों में गोल कर बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई। हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले में बेल्जियम ने शुरुआती बढ़त गंवा दी थी, लेकिन डी ब्रून के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल ने मेज़बान टीम को राहत की सांस दी। बेल्जियम ने पहले हाफ घंटे के भीतर ही 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। 15वें मिनट में रोमेलु लुकाकू ने पेनल्टी पर गोल करके खाता खोला, इसके बाद कप्तान यूरी टीलमैंस ने 19वें और जर्मी डोकू ने 27वें मिनट में गोल दागे। हालांकि, वेल्स ने शानदार वापसी की। हाफ टाइम से ठीक पहले हैरी विल्सन ने पेनल्टी के जरिए वेल्स का खाता खोला। इसके बाद दूसरे हाफ में सोरबा थॉमस और ब्रेनन जॉनसन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए। मुकाबले की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई। चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते

हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।इसके बाद भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खेल दिखाया और बेल्जियम के आखिरी समय में किए गए लगातार हमलों को नाकाम कर दिया। इस जीत के साथ भारत ने बेल्जियम के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय जूनियर महिला टीम अब अपने यूरोप दौरे का अंतिम मुकाबला 12 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

साउथैम्पटन। इंग्लैंड ने साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

डकेट और स्मिथ की धमाकेदार शुरुआत

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े।जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके।

इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

डकेट बने इंग्लैंड के भरोसेमंद ओपनर

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

वेस्टइंडीज के लिए चिंता की घड़ी

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

स्कोरकार्ड :

इंग्लैंडः 248/3 (बेन डकेट 84, जेमी स्मिथ 60*, जैकब बेथेल 36*)

वेस्टइंडीजः 211/8 (रोवमैन पॉवेल 79*, शाई होप 45, मार्क वुड 3/31)

इंग्लैंड ने मैच 37 रन से जीता, सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

सांसद जॉन गरामेंडी का ट्रंप पर हमला, बोले- 'खुद को राजा समझते हैं, लेकिन जनता में फैला रहे हैं डर'

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य जॉन गरामेंडी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लॉस एंजिल्स में हालिया विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया को लेकर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ट्रंप खुद को 'देश का राजा' समझते हैं और ऐसा बर्ताव कर रहे हैं जैसे उनके पास असीमित अधिकार हो।सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, गरामेंडी ने ट्रंप की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि हालिया आव्रजन छापों और उनके आदेशों से जो 'गंभीर जनविरोध' खड़ा हुआ है, वह अपेक्षित था। गरामेंडी ने कहा, 'वे अपराधियों को नहीं पकड़ रहे हैं, बल्कि ऐसे लोग निशाने पर हैं जो मेहनती हैं, परिवारों का हिस्सा हैं और कुछ तो स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं।' ट्रंप प्रशासन ने पूरे देश में भय का माहौल पैदा कर दिया है। सांसद गरामेंडी ने कहा कि ट्रंप का रवैया लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। वे कानून का शासन नहीं, बल्कि शक्ति का शासन लागू करना चाहते हैं। यह संविधान और नागरिक स्वतंत्रता दोनों के लिए खतरा है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की ओर से आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू करने के निर्देश के बाद अमेरिका के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिल्स में खास तौर पर बड़े पैमाने पर प्रवासी समुदायों में डर का माहौल है, जहां छापेमारी की खबरों के बीच स्कूलों और व्यवसायों पर असर पड़ा है।

बांग्लादेश में नोबल विजेता टैगोर की ऐतिहासिक रवींद्र कचहरीबाड़ी पर हमला

ढाका। बांग्लादेश में नोबल विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की स्मृतियों से जुड़ी ऐतिहासिक रवींद्र कचहरीबाड़ी पर आज दोपहर से पहले कुछ युवकों ने हमला कर तोड़फोड़ की। पुलिस के दखल देने से गुस्साए युवक और उग्र हो गए। हमले के दौरान कर्मचारियों और आगंतुकों सहित पांच-छह लोगों को चोट आई है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस ने आज बताया कि आठ जून को मोटरसाइकिल पार्किंग को लेकर रवींद्र कचहरीबाड़ी के कर्मचारियों के साथ संभवतः इस समूह के लोगों का झगड़ा हुआ था। कचहरीबाड़ी के संरक्षक हबीबुर रहमान ने बताया कि युवकों ने आज सुबह करीब 11:30 बजे प्रवेश द्वार तोड़ दिया। सभागार, दरवाजे और खिड़कियों में तोड़फोड़ की। हालांकि हमले में कचहरीबाड़ी परिसर में बनी हवेली को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इस हवेली में नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर एक स्मारक संग्रहालय है। यह संग्रहालय सिराजगंज के शाहजादपुर उपजिला में है। हबीबुर ने कहा, हमले के समय परिसर में कुछ आगंतुक थे। वह यह सब देखकर घबरा गए। हम सबने हमले के दौरान शरण ली और तुरंत पुलिस को सूचित किया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय की तरफ बढ़ रहे हमलावरों को कर्मचारियों ने रोकने की कोशिश की। इसी बीच पुलिस पहुंच गई। उन्होंने कहा कि हमले के दौरान कर्मचारियों और आगंतुकों सहित पांच-छह लोग घायल हो गए।

ऑस्ट्रिया के स्कूल में गोलीबारी से 10 की मौत, 30 घायल, हमलावर भी मारा गया

वियना (ऑस्ट्रिया)। ऑस्ट्रिया के ग्राज में स्थित माध्यमिक स्कूल में गोलीबारी के दौरान कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी 30 लोग घायल हुए हैं। उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वैन डेर बेलन ने शोक जताते हुए कहा कि इस भयावहता को शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता है। इस दौरान हमलावर को भी ढेर कर दिया गया।ऑस्ट्रिया के प्रमुख समाचार पत्र द गार्डियन, राष्ट्रीय प्रसारक ओआरएफ के अलावा देश के अन्य समाचार माध्यमों में इस गोलीबारी का ब्योरा दिया गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि स्कूल में अब लोगों को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की मौत की पुष्टि की है। क्रोनन जीतुंग अखबार ने कम से कम 11 लोगों के मारे जाने की खबर दी है। मगर पुलिस ने पुष्टि की कि अभी तक 10 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रपति वैन डेर बेलन ने बयान में कहा, ऑस्ट्रिया शोक में डूबा है। इस भयावहता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आज ग्राज के एक स्कूल में जो हुआ, वह हमारे देश के दिल को झकझोर कर रख देता है। उन्होंने कहा, ये युवा लोग थे। उनके सामने पूरा जीवन था। मारे गए लोगों के माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन और दोस्तों के दर्द को कम करने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि देश इस दर्द को सहने के लिए एक साथ खड़ा है और दिखाएगा कि हमारी ताकत इस एकजुटता में निहित है।

संदिग्ध भारतीयों को अवैध रूप से विदेश भेजे जाने के मामले में गृह सचिव भी जांच के दायरे में

काठमांडू। नेपाल के हवाई अड्डे से संदिग्ध भारतीयों को विदेश भेजे जाने के मामले में फंसे गृह मंत्री रमेश लेखक के बाद अब गृह सचिव गोकर्ण मणि दवाडी भी जांच के घेरे में आ गए हैं। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने गृह सचिव के ऊपर निगरानी बढ़ा दी है। भारत की सुरक्षा एजेंसी से कुछ आतंकियों और खालिस्तान समर्थकों की सूची मिलने के बाद भी इन सभी को नेपाल के रास्ते विदेश जाने दिया गया। इस मामले में अब तक गृह मंत्रालय के सह सचिव और एयरपोर्ट इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख तीर्थराज भट्टराई से पूछताछ हो चुकी है। अब इस मामले की जांच तेज कर दी गई है और गृहसचिव की भूमिका की जांच की जा रही है। ब्यूरो के आयुक्त जयबहादुर चंद ने बताया कि पिछले 6 महीने में एक हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को अवैध रूप से विदेश जाने दिया गया।

इसे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष न समझें, यह भारत बनाम 'आतंकिस्तान' है : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

एजेंसी
ब्रुसेल्स। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। देश सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस में विश्वास करता है। जयशंकर ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष काजा कालास के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "यह वास्तव में दो देशों के बीच संघर्ष नहीं है। यह वास्तव में खतरे और आतंकवाद के अभ्यास का जवाब है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करूंगा कि इसे भारत-पाकिस्तान के रूप में न सोचें, इसे भारत और 'आतंकिस्तान' के रूप में सोचें, आप समझ जाएंगे।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा और परस्पर जुड़ी चुनौती है, इस मामले पर मजबूत अंतर्राष्ट्रीय

सहयोग और समझ होना आवश्यक है। विदेश मंत्री जयशंकर और कालास भारत और यूरोपीय संघ के बीच पहली रणनीतिक वार्ता के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे, जहां दोनों पक्षों ने एक खुली और उपयोगी बैठक की, जिसमें समुद्री, साइबर और अंतरिक्ष सहित रक्षा और सुरक्षा पर चर्चा केंद्रित रही। कालास ने कहा, परमाणु धमकियों से कोई फायदा नहीं हो सकता। यह एक साझा चिंता का विषय है। हम देखते हैं कि दुनिया में अलग-अलग देश इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वैश्विक रूप से बदलती दुनिया में हमें और अधिक साझेदारों की जरूरत है और इसलिए हम सुरक्षा और रक्षा के मामले में अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों पक्षों ने यूरोप की स्थिति, यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व, भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद-प्रशांत सहित वैश्विक व्यवस्था पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, मेरी ब्रुसेल्स यात्रा यूरोपीय संघ के आयुक्तों के भारत दौरे के तीन महीने बाद हो रही है। उस समय भी यह स्पष्ट था कि विश्व व्यवस्था एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही थी। ये रुझान कई मायनों में और तेज हो गए हैं। हम बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरे संबंध बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण ताकतें हैं।

हमास को फंडिंग के आरोप में अमेरिका ने कथित 'फर्जी' फिलीस्तीनी चैरिटियों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी
वॉशिंगटन। अमेरिका ने एक बड़ा कदम उठाते हुए मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप में फैले पांच लोगों और पांच संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने इन पर हमास के सैन्य विंग को आर्थिक मदद पहुंचाने का आरोप लगाया है। इन संस्थाओं पर यह भी आरोप है कि वे गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में मानवीय कार्यों की आड़ में आतंकी फंडिंग कर रहे थे।

प्रतिबंधित संस्थाओं में प्रमुख नाम: --अल-बिआम चैरिटेबल सोसाइटी (गाजा स्थित): इस पर आरोप है कि यह हमास के नियंत्रण में है। इसके कार्यकारी निदेशक मोहम्मद सामी मोहम्मद अबू मरेई को भी प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया है।

-- फिलिस्तीन वक्फी (तुर्की आधारित): इस चैरिटी और इसके अध्यक्ष जेकी अब्दुल्ला इब्राहीम अरराबी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

-- अन्य देश: अल्जीरिया, नीदरलैंड और इटली में स्थित कुछ अन्य चैरिटियों को भी प्रतिबंधित किया गया है, जिनके हमास या फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूहों से कथित संबंध हैं। इसके अलावा अमेरिका ने एक और संस्था पर भी कार्रवाई की है, जो फिलिस्तीनी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन' (पीएफएलपी) से जुड़ी बताई जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी वित्तपोषण के लिए अब ऑनलाइन क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि अधिकांश ऑनलाइन फंडिंग वैध सामाजिक कार्यों के लिए होती है, इसलिए आतंकी फंडिंग की पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

लॉस एंजिल्स में प्रवासी विरोध प्रदर्शन के बीच ट्रंप ने की मरीन तैनाती, उठे सवाल

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों के खिलाफ जारी प्रदर्शनों को रोकने के लिए लॉस एंजिल्स में सैकड़ों मरीन तैनात करने के आदेश दिए हैं। लगभग 700 अमेरिकी मरीन सैन्य वाहनों के साथ शहर के बाहर एक अस्थायी स्थल पर पहुंचे। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 4,000 नेशनल गार्ड जवानों को भी सक्रिय कर दिया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर सैन्य बलों की तैनाती नहीं होती, तो लॉस एंजेलेस अभी तक जल चुका होता। उन्होंने संकेत दिया कि यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो वे 'इन्सरेक्शन एक्ट' लागू कर सकते हैं, जो सेना को नागरिक कानून व्यवस्था संभालने की अनुमति देता है। ट्रंप ने कहा कि हम कोई खतरा नहीं उठा सकते। लॉस एंजिल्स के कुछ हिस्सों में पहले से ही बगावत जैसे हालात हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि

तैनात मरीन केवल संघीय संपत्तियों और अधिकारियों की सुरक्षा करेंगे। उन्हें आम नागरिकों की गिरफ्तारी का अधिकार नहीं होगा। सैन्य बलों की तैनाती की कुल लागत करीब 134 मिलियन डॉलर बताई जा रही है, जिसमें आवास, भोजन और यात्रा शामिल हैं। वहीं, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बैस ने ट्रंप के जवानों की तैनाती के कदम को अत्यधिक और अनावश्यक बताया है। राज्य के अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे हैं और ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई जरूरत से ज्यादा आक्रामक है। गवर्नर न्यूसम ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की आलोचना करते हुए लिखा, सोचिए, अगर यही राशि पूर्व सैनिकों के पोषण और आवास पर खर्च होती तो कितना अच्छा होता, बजाय इसके कि सैनिकों को राजनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

लॉस एंजिल्स में हिंसा और तोड़फोड़ करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई: मेयर करेन बैस

एजेंसी
लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स की मेयर कैरन बैस ने स्पष्ट किया है कि शहर में चल रहे प्रवासी विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मेयर बैस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पर लिखा, स्पष्ट कर दूं- जो भी डाउनटाउन में तोड़फोड़ या लूटपाट में शामिल हुआ है, वह प्रवासी समुदायों की परवाह नहीं करता। ऐसे सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मेयर बैस ने बाद में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोहराया कि हिंसा और तोड़फोड़ करने वाले लोग वास्तव में प्रवासियों के समर्थन में नहीं हैं, बल्कि उनकी अपनी कोई अलग राजनीतिक मंशा है। उन्होंने कहा कि अगर आप वास्तव में प्रवासियों और उनके अधिकारों का समर्थन करते हैं, तो आप शहर को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। यह कार्रवाई किसी समर्थन की अभिव्यक्ति नहीं बल्कि शहर को कमजोर करने की साजिश है। करेन

बैस ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अशांति पूरे शहर में नहीं, बल्कि केवल डाउनटाउन के कुछ ब्लॉकों तक सीमित है। हालांकि, दीवारों पर की गई भित्तिचित्र और तोड़फोड़ कई क्षेत्रों तक फैल गई है, जिससे पूरी नगरी प्रभावित दिख रही है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, मीडिया में जो दृश्य दिखाए जा रहे हैं, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे पूरा लॉस एंजिल्स जल रहा हो लेकिन हकीकत इससे अलग है मेयर ने पुलिस विभाग से आश्वासन मिलने का हवाला देते हुए कहा कि तोड़फोड़ करने वाले चाहे उस रात अपने घर लौट गए हों, वे कार्रवाई से नहीं बच पाएंगे। पुलिस विभाग द्वारा सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य सबूतों के आधार पर जांच जारी है, और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो तख्तापलट साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए

एजेंसी
रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो देश की सर्वोच्च अदालत के समक्ष एक कथित तख्तापलट योजना में पहली बार गवाही देने के लिए पेश हुए। यह मामला वर्ष 2022 के राष्ट्रपति चुनाव परिणाम को पलटने और सत्ता में बने रहने की कथित साजिश से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ इस बहुचर्चित मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें बोल्सोनारो सहित उनके सात प्रमुख सहयोगियों पर पांच गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोपों में तख्तापलट की कोशिश, सशस्त्र आपराधिक संगठन में संलिप्तता, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को बलपूर्वक समाप्त करने का प्रयास, राष्ट्रीय धरोहर को नुकसान पहुंचाना और उसकी क्षति करना शामिल है। अगर बोलसोनारो पर तख्तापलट का आरोप सिद्ध होता

है, तो उन्हें 12 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, और अन्य आरोपों के साथ कुल सजा कई दशकों तक बढ़ सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। उनके साथ पूर्व रक्षा मंत्री और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वॉल्टर ब्रागा नेटो, पूर्व मंत्री एंडरसन टोरेस, ऑगस्टो हेलेनो और पूर्व सहयोगी मौरो सिड जैसे प्रमुख नाम भी इस मामले में आरोपित हैं। हालांकि बोल्सोनारो के पूर्व सहयोगी मौरो सिड ने पुलिस से गोपनीय समझौता (प्ली बार्गेन) किया है और अदालत में गवाही देते हुए बताया कि बोल्सोनारो ने उस दस्तावेज को पढ़ा और संपादित किया था, जिसमें चुनाव परिणाम को अमान्य करने की योजना थी। सिड ने यह भी दावा किया कि बोल्सोनारो ने अपने समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालयों के बाहर लगाए गए शिविरों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। यही समर्थक बाद में 08 जनवरी 2023 को ब्रासीलिया में हुई हिंसा में शामिल पाए गए, जब सुप्रीम कोर्ट, संसद और राष्ट्रपति भवन पर हमला किया गया। ब्राजील के अटॉर्नी जनरल पाउलो गोनेट ने अदालत में दावा किया कि यह दंगा उस बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य चुनाव परिणाम को पलटना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोराइस की हत्या की भी योजना थी, जो अंतिम क्षणों में इसलिए टल गई क्योंकि सेना प्रमुख ने इसमें सहयोग नहीं किया।

यूक्रेन पर रूस का भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला, 3 की मौत, 13 घायल

एजेंसी
कीव/ओडेसा। रूस न सुबह यूक्रेन के दो प्रमुख शहरों कीव और ओडेसा पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को तीन साल पुराने युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया है। जेलेंस्की ने एक बयान में कहा कि रूस ने सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक 315 से अधिक ड्रोन (अधिकतर ईरानी शाहेद ड्रोन्स) और 7 मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा, रूसी मिसाइल और शाहेद हमलों की आवाजें, अमेरिका और दुनिया के दूसरे देशों की शांति की अपीलों से कहीं अधिक तेज हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोप से ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि केवल बयानबाजी से रूस नहीं रुकेगा। ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख ओलेह कीपर ने बताया कि हमले में एक मातृ अस्पताल और कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय के अनुसार, दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हुए हैं। वहीं, कीव के ओबोलोंस्की जिले में एक और नागरिक की जान चली गई। कीव क्षेत्रीय प्रमुख तिमूर त्काचेंको ने टेलीग्राम पर बताया कि यह हमला सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन पर हुआ, जो रूस की युद्धनीति की असली प्रकृति को दर्शाता है। यह ताजा हमला उस समय हुआ जब एक दिन पहले ही रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला (लगभग 500 ड्रोन) किया था। साथ ही दो जून को इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने युद्धविराम की शर्तों पर ज्ञापन का आदान-प्रदान किया था। हालांकि, दोनों पक्षों द्वारा रखी गई कई शर्तें एक-दूसरे के लिए अस्वीकार्य मानी जा रही हैं।

ब्रिटेन समेत पांच देशों ने इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों पर लगाए प्रतिबंध, वेस्ट बैंक में हिंसा भड़काने का आरोप

एजेंसी
जेरूसलम। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और नॉर्वे ने एक बड़ा कदम उठाते हुए इजराइल सरकार के दो कट्टरपंथी मंत्रियों पर प्रतिबंध लगाया है। इन नेताओं पर इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलीस्तीनियों के खिलाफ उग्र हिंसा भड़काने और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करने का आरोप है। इन प्रतिबंधों की जद में आए हैं राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोत्रिच, जो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के मुख्य सहयोगी हैं। ये दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों के विस्तार और गाजा पट्टी में युद्ध जारी रखने के पक्षधर माने जाते हैं। अब इन पर यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्ती जैसे कड़े कदम लागू किए जा सकते हैं।

संयुक्त बयान में इन पांच देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि बेन-गवीर और स्मोत्रिच ने चरमपंथी हिंसा को प्रोत्साहित किया है और फिलीस्तीनी मानवाधिकारों का गंभीर दुरुपयोग किया है। इनकी वह बयानबाजी जिसमें फिलीस्तीनियों के बलपूर्वक विस्थापन और नई यहूदी बस्तियों की बात की जाती है, निंदनीय और खतरनाक है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ये दोनों मंत्री महीनों से फिलीस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को भड़का रहे हैं और मानवाधिकारों के खुलेआम उल्लंघन को बढ़ावा दे रहे हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसे प्रतिबंधों की जानकारी पहले ही दे दी गई थी। वित्त मंत्री स्मोत्रिच ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें प्रतिबंधों की खबर तब मिली जब वे वेस्ट बैंक में एक नई यहूदी बस्ती का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम फिर भी निर्माण करते रहेंगे। हमने फिरौन को पछाड़ा था, स्टॉर्मर की दीवार को भी गिरा देंगे। वहीं, बेन-गवीर ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री की ओर इशारा करते हुए सोशल मीडिया पर तंज कसा। उन्होंने इन प्रतिबंधों को अत्यधिक अपमानजनक बताया और कहा कि वे प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलकर इस पर इजराइल की प्रतिक्रिया तय करेंगे।

पुलिस इनकाउंटर में दो भारतीय ड्रग्स कारोबारी गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल पुलिस के नारकोटिक्स सेल ने दो ड्रग्स कारोबारी को इनकाउंटर कर गिरफ्तार किया है। इन दोनों के भारतीय नागरिक होने की जानकारी दी गई है।

काठमांडू के टोखा में रहे ग्रांडी अस्पताल के पास ड्रग्स कारोबारी के आने की पूर्व सूचना के आधार पर नारकोटिक्स सेल ने इनकी गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया था। लेकिन पुलिस के होने की जानकारी मिलते ही दोनों ड्रग्स कारोबारी भागने लगे। नारकोटिक्स सेल के एसएसपी कृष्ण कोइराला ने बताया कि पुलिस द्वारा आत्म समर्पण के लिए कहे जाने के बाद भी जब ये भागने लगे तब पुलिस को गोली चलानी पड़ी। व्यस्त इलाके में पुलिस द्वारा गोली चलाने से दोनों आरोपी घायल हो गए। पुलिस का दावा है कि ड्रग्स कारोबारी के हमले में एक पुलिस वाले को भी चोट आई है। एसएसपी कोइराला ने कहा कि आरोपियों ने एक पुलिस वाले पर रॉड प्रहार किया जिससे वह

घायल हो गया। उसके बाद ही पुलिस को घुटने के नीचे गोली चलानी पड़ी। पुलिस इनकाउंटर में घायल हुए पश्चिम बंगाल इस्लामपुर के 40 वर्षीय सशिक आलम और 22 वर्षीय मोहम्मद मंजूर आलम है। इसी तरह पटना दानापुर के 20 वर्षीय सुमित कुमार और 25 वर्षीय चंदन जयसवाल को भी ड्रग्स के कारोबार में संलग्न होने के आरोप में काठमांडू के सुन्धारा से गिरफ्तार किया है।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन का 82 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी
लॉस एंजिल्स। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन (पूरा नाम साइबरस्ट स्टोन) का 82 वर्ष की आयु में कल निधन हो गया। %स्ली एंड द फैमिली स्टोन% फंक बैंड समूह नेता स्टोन काफी समय से सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच अंतिम सांस ली। द गार्डियन अखबार की खबर के अनुसार, उनके बैंड ने 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में धूम मचाई । स्ली स्टोन को 1969 में वुडस्टॉक संगीत समारोह में शानदार प्रदर्शन के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। इस समारोह में उन्होंने अपने फंक और हिप्पी संस्कृति से प्रेरित संगीत का प्रदर्शन किया। स्ली स्टोन ने फंक, ग्रूव्स और सिंकोपेटेड लय से संचालित संगीत की अफ्रीकी-केंद्रित शैली को लोकप्रिय बनाने में मदद की। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन ने कई पीढ़ियों को डांसफ्लोर पर थिरकने को मजबूर कर दिया। 1943 में टेक्सास में एक पेंटेकोस्टल धार्मिक परिवार में सिल्वेस्टर स्टीवर्ट के रूप में जन्मे स्टोन सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में पले-बढ़े। उनका पहला संगीत तीन भाई-बहनों, स्टीवर्ट फोर के साथ एक गॉस्पेल चौकड़ी में आया। इसे 1952 में स्थानीय रूप से रिलीज किया गया।

पाकिस्तान ने अपना रक्षा बजट 20 फीसदी बढ़ाया, फिर भी भारत से 9 गुना कम

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रक्षा बजट में 20त्न की भारी वृद्धि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पेश किए गए बजट में 2.55 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) रक्षा मद में आवंटित किए गए हैं, जो कि इस वर्ष समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के 2.12 ट्रिलियन रुपये (7.45 अरब डॉलर) से काफी अधिक है। यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के निर्णायक सैन्य हमलों का सामना करना पड़ा था। अहम बात यह है कि पाकिस्तान ने जहां कुल सरकारी खर्च में 7 फीसदी की कटौती करते हुए उसे 17.57 ट्रिलियन रुपये (62 अरब डॉलर) कर दिया है, वहीं रक्षा खर्च को प्राथमिकता दी गई है। हालांकि, सेना पेंशन मद (563 अरब रुपये) को आधिकारिक रक्षा बजट में शामिल नहीं किया गया है। इसके

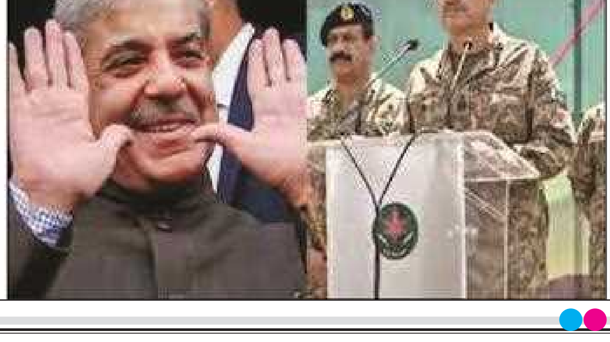

आलवा, पाकिस्तान ने वर्ष 2024-25 के लिए लक्षित 5.9 फीसदी के मुकाबले सकल घरेलू उत्पाद के 3.9 प्रतिशत घाटे का अनुमान लगाया है। जबकि मुद्रास्फीति 7.5 प्रतिशत और विकास 4.2 प्रतिशत अनुमानित किया गया। दक्षिण एशियाई राष्ट्र अपने पड़ोसी के साथ लगभग तीन दशकों में सबसे खराब लड़ाई के बाद अपनी सुरक्षा को मजबूत करते हुए विकास को गति देना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वित्त कार्यक्रम की सख्ती को पूरा करना चाहता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने एक बयान में कहा, पारंपरिक युद्ध में भारत को हराने के बाद, अब हमें आर्थिक क्षेत्र में उससे आगे निकलना है। पाकिस्तान को अपने सबसे बड़े निर्यात बाजार, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे नए आयात शुल्क की अनिश्चितता से भी निपटना होगा। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। तब पाकिस्तान का डिफेंस सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया था। इसी के बाद पाक सरकार ने रक्षा बजट में अप्रत्याशित 20 फीसदी की बढोतरी की है। हालांकि तमाम कोशिशों के बाद भी वो भारत के 78.7 अरब डॉलर के रक्षा बजट से काफी पीछे है। भारत के रक्षा बजट में 21 अरब डॉलर तो सिर्फ हथियार और उपकरण पर खर्च करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

पहले इस शख्स से जुड़ा था

तेजस्वी प्रकाश

का नाम, अब 10 साल बड़े करण कुंद्रा को कर रहीं डेट

10 जून 1993 को सउदी अरब के जेद्दा में एक ऐसी एक्ट्रेस का जन्म हुआ था, जिन्होंने भारतीय टीवी इंडस्ट्री में बड़ी पहचान बनाई. वहीं बिग बॉस जैसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो को जीतकर वो हर किसी की जुबां पर आ गई थीं. यहां बात हो रही तेजस्वी प्रकाश की. तेजस्वी प्रकाश आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने कम उम्र में ही काफी नाम कमा लिया है और उनके पास आज सुख सुविधा की हर एक चीज मौजूद है.तेजस्वी प्रकाश अपनी पर्सनल लाइफ से भी अक्सर ही सुर्खियों का हिस्सा बन जाती हैं. ये तो हर कोई जानता है कि तेजस्वी लंबे समय से मशहूर एक्टर करण कुंद्रा को डेट कर रही हैं,

लेकिन करण से पहले भी उनका नाम एक शख्स से जुड़ चुका है. आइए आपको बताते हैं कि आखिर पहले तेजस्वी के अफेयर की अफवाहें किसके साथ उड़ी थीं ?

तेजस्वी प्रकाश जब रोहित शेट्टी के मशहूर स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 10वें सीजन में काम कर रही थीं, तब उनका नाम टीवी अभिनेता शिविन नारंग से जुड़ा था. तब फैंस ने दोनों को ट्विन नाम से भी बुलाना शुरू कर दिया था. आखिरकार तेजस्वी को इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी और उन्होंने शिविन को अपना अच्छा दोस्त बताया था.

2012 में किया था टीवी डेब्यू, बिग बॉस भी जीता

तेजस्वी ने साल 2021 में शो '2612' से अपने टीवी करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वो 'स्वरागिनी' से पहचान बनाने में कामयाब हुईं. वहीं फिर उन्हें 'पहरेदार पिया की', 'सिलसिला बदलते रिश्तों का' और 'नागिन 6' जैसे सीरियल्स में भी देखा गया. वहीं 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी', 'किचन चैंपियन 5' और 'कॉमेडी नाइट्स लाइव', जैसे रियलिटी शोज का भी तेजस्वी हिस्सा रहीं. एक्ट्रेस ने बिग बॉस 15 का खिताब भी अपने नाम किया था.

10 साल बड़े करण कुंद्रा को कर रहीं डेट

बिग बॉस 15 में तेजस्वी के साथ करण कुंद्रा भी थे. बताया जाता है कि बिग बॉस के घर में ही दोनों का इश्क परवान चढ़ा था. दोनों की जोड़ी अब टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों के बीच उम्र में दस साल का फासला है.

इस एक शौक की वजह से जीरो होने वाला था

नोरा फतेही

का बैंक अकाउंट, मैनेजर की चेतावनी से बचीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का नाम दुनियाभर में है और भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना भाग्य आजमाने के लिए आते हैं. इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष भी करना पड़ता है. इन्हीं एक्ट्रेस में से एक हैं नोरा फतेही. नोरा फतेही बारबेरियन मूल की कनडियन एक्ट्रेस हैं. उन्होंने भारत आकर बॉलीवुड में अपना भाग्य आजमाया और इसमें वे सफल भी हुईं. आज वे पूरे भारत में एक सफल डांसर के तौर पर मशहूर हैं. एक्ट्रेस ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि जब वे इंडस्ट्री में नई-नई आई थीं उस दौरान उन्होंने कुछ शौक पाल लिए थे. इसकी वजह से उन्हें पैसों का काफी नुकसान भी झेलना पड़ा था. नौबत तो ऐसी आ गई थी कि एक्ट्रेस का अकाउंट लगभग जीरो होने वाला था.

जब नोरा फतेही को लगा महंगे हैंडबैग्स का शौक

हालिया इंटरव्यू में नोरा फतेही ने अपने खर्चीले स्वभाव के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने सबसे पहले जो कीमती सामना खरीदा था वो एक हैंडबैग था. और यहीं से मेरे कभी ना थमने वाले फैशन के उस शौक की शुरुआत भी हो गई थी. नोरा फतेही ने कहा कि इसके बाद उन्हें एक दिन इस बात का एहसास दिलाया गया कि उनका ये शौक उन्हें महंगा पड़ने वाला है. उनके मैनेजर ने उन्हें गाइड किया. उनके मैनेजर ने कहा कि नोरा को बहुत गंभीरता से अपने स्पेंडिंग पैटर्न के बारे में सोचना चाहिए. उन्हें अपनी फाइनेंसियल फ्यूचर प्लानिंग के बारे में सोचना चाहिए.

कितनी है नोरा फतेही की नेटवर्थ ?

नोरा फतेही की बात करें तो एक्ट्रेस आज बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. वे मंडगांव एक्सप्रेस और बी हैपी जैसी फिल्मों में नजर आई हैं.

मौजूदा समय में भी उनके पास फिलहाल कंचना 4 और केडी द डेविल जैसी फिल्में हैं. एक्ट्रेस की नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कुल सम्पत्ति 40 करोड़ रुपए के करीब है. अगर बात करें एक शो की तो आज की डेट में वे एक कॉन्सर्ट या इवेंट में परफॉर्म करने के लिए 50 लाख से 3 करोड़ रुपए तक चार्ज करती हैं.

पत्नी की इस आदत से परेशान हैं अजय देवगन, ये करने में तीन घंटे बर्बाद कर देती हैं काजोल

अजय देवगन और काजोल की गिनती बॉलीवुड के पॉवर कपल में होती है. दोनों की पर्सनालिटी बिल्कुल एक-दूसरे से अलग है. हालांकि फिर भी ये कपल शादी के 26 साल बाद भी साथ हैं. जैसे हर पति-पत्नी के बीच प्यार के साथ ही कुछ शिकायतें भी रहती हैं, वैसा ही मामला अजय देवगन और काजोल के बीच भी है. अजय को भी अपनी पत्नी से एक शिकायत है. दिग्गज एक्टर काजोल की एक आदत से परेशान रहते हैं.एक बार अजय देवगन और काजोल मशहूर डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर पहुंचे थे, तब दोनों स्टार्स के बीच मस्ती भरी नोक झोंक भी हुई थी. इस दौरान दोनों ने एक दूसरे की मजाक में टांग खिंचाई भी की थी. तब अजय ने बताया था कि काजोल अपनी फोटोज को एडिट करने में दो से तीन घंटे तक खर्च कर देती हैं.

काजोल की किस आदत से परेशान हैं अजय ?

यूं तो अजय देवगन कम बात करना पसंद करते हैं, लेकिन वो जब करण जौहर के शो पर पहुंचे थे तो पत्नी की टांग खिंचाई करने से बाज नहीं आते थे. करण जौहर ने उनसे एक सवाल किया था, तब अजय ने जवाब देते हुए कहा था, मुझे काजोल की फोटोज क्लिक कराने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन प्रॉब्लम इससे है कि फोटोज क्लिक होने के बाद वो तीन घंटे तक उसे एडिट करती हैं ताकि सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सकें. बुढ़ापे में ऐसा कौन करता है.

1999 में की थी शादी

अजय देवगन और काजोल ने चार से पांच साल की डेटिंग के बाद साल 1999 में शादी की थी. इसके बाद कपल ने दो बच्चों बेटी न्यासा और बेटे युग देवगन का वेलकम किया था. न्यासा का जन्म 20 अप्रैल 2003 को हुआ था. वहीं युग का जन्म सितंबर 2010 में हुआ था.

इन फिल्मों में साथ नजर आ चुका है कपल

काजोल और अजय कई फिल्मों में स्क्रीन भी शेयर कर चुके हैं. दोनों को पहली बार साल 1995 की फिल्म 'हलचल' में देखा गया था. बताया जाता है कि इसके सेट पर ही दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया था. वहीं समय के साथ दोनों का रिश्ता मजबूत होते गया. दोनों ने फिर 'इश्क', 'तान्हाजी', 'गुंडाराज', 'दिल क्या करे', 'प्यार तो होना ही था', 'राजू चाचा', 'यू मी और हम' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

'तू कौन सा तानसेन की औलाद हैं...' प्रियंका के आगे रो पड़े थे मीका सिंह... आवाज का उड़ता था मजाक

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर मीका सिंह के लिए 10 जून का दिन बेहद खास होता है. उनका जन्म 10 जून 1977 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में हुआ था. आज अपना 48वां जन्मदिन मना रहे मीका ने बॉलीवुड गानों के साथ ही पंजाबी सॉन्ग से भी फैंस के बीच अच्छी खासी पहचान बनाई है. संगीत की दुनिया में सालों से राज कर रहे मीका के बर्थडे के मौके पर आज हम आपको उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं. मीका आज म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं, लेकिन कभी लोग उनकी आवाज का मजाक उड़ाया करते थे.

आवाज का मजाक उड़ाते थे लोग

अन्य कलाकारों की तरह ही मीका सिंह को भी अपनी लाइफ में कड़े स्ट्रगल से गुजरना पड़ा है. आज उनकी आवाज के लाखों चाहने वाले हैं. जबकि कभी लोग उनकी आवाज को पसंद नहीं करते थे और उनका मजाक उड़ाते थे. मीका ने यूट्यूबर शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि लोग उन्हें ट्रोल करते हुए कहते थे कि, तू कौन सा तानसेन की औलाद हैं ?

प्रियंका चोपड़ा के सामने रोने लगे थे मीका

मीका ने इसी इंटरव्यू में ये खुलासा भी किया था कि एक बार वो प्रियंका चोपड़ा जैसी मशहूर एक्ट्रेस के सामने रो पड़े थे. मीका के मुताबिक वो एक शो कर रहे थे और उन्होंने 'बड़े अच्छे लगते हैं' गाना गाया था. तब सिंगर को अपने पुराने दिन याद आ गए थे जब उन्हें लोग ट्रोल करते थे. ऐसे में उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े थे. तब प्रियंका, मीका के पास ही बैठीं हुईं थीं. मीका ने ये भी बताया था कि कभी-कभी वो अपने गाने सुनकर भी रोने लगते हैं.

एक स्टेज शो के लेते हैं 50 लाख

दिग्गज गायक दलेर मेहंदी के छोटे भाई मीका कभी जागरण और कीर्तन में गाया करते थे. बाद में वो फिल्मी दुनिया में आए. 'सावन में लग गई आग', 'आज की पार्टी', 'मौजा ही मौजा', 'ढिंक चिका', सुबह होने ना दे', और 'आपका क्या होगा' जैसे मशहूर गानों को आवाज दे चुके मीका एक गाने के लिए 10 से 13 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं. वहीं वो एक स्टेज शो के लिए 50 लाख रुपये तक वसूलते हैं.

निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही ट्रेन बेपटरी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली
दिल्ली के निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही एक ट्रेन गुरुवार को पटरी से उतर गई। ट्रेन का चौथा डिब्बा प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं सुरक्षा उपायों का आकलन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, शाम 4:10 बजे के आसपास ट्रेन नंबर 64419 (एनजेडएम-जीजेडबी ईएमयू) का एक डिब्बा शिवाजी ब्रिज के पास डाउन मेन लाइन पर पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर बहाली के काम में जुट गए हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है यह अमृतकाल: गिरीराज

भागलपुर
मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर भागलपुर के परिसदन में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट जयराम विप्लव, क्षेत्रीय प्रभारी अनिल ठाकुर, जिला अध्यक्ष संतोष शाह, मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेई सहित पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के साथ आत्मनिर्भरता और वैश्विक विश्वास की नई इबारत लिखी है। यह अमृतकाल, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बालाकोट स्ट्राइक से लेकर तेजस, ब्रह्मोस, आईएनएस विक्रांत और एस-400 जैसे अत्याधुनिक संसाधनों से भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। नक्सलवाद पर निर्णायक कार्रवाई से हिंसा में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी के जरिए पारदर्शिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है।

सीएम के हाथों सम्मानित होकर खिल उठे मेधावियों के चेहरे

सम्मान समारोह में प्रदेश का मान बढ़ाने वाले मेधावियों व प्रतिभावानों को किया गया सम्मानित

लखनऊ
उत्तर प्रदेश न केवल देश में सबसे अधिक युवा आबादी वाला प्रदेश है बल्कि सबसे ज्यादा युवा प्रतिभाओं से युक्त प्रदेश है। युवा न केवल प्रदेश बल्कि देश का भी भविष्य हैं, यही कारण है कि उनकी प्रख्याति, प्रशस्ति और प्रगति पर योगी सरकार विशेष महत्व देती है। सीएम योगी के इसी विजन की झलक गुरुवार को लोक भवन सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिली, जहां प्रदेश का मान बढ़ाने वाले मेधावी व प्रतिभावान स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों को एक लाख रुपए, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। जबकि, 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर मेडल जीतने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 75 हजार से लेकर 15 हजार तक की धनराशि वितरित की गई। इस समारोह में सीएम योगी के हाथों सम्मानित होकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। उन्होंने सीएम योगी का धन्यवाद करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सरकार की कोशिशों से प्रदेश में प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिल रहा है। वहीं, उनके अभिभावकों ने सीएम योगी और सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि पहले की सरकारों की अपेक्षा योगी सरकार युवा शक्ति को प्रोत्साहित करने में सफल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा का स्तर सुधारने के साथ ही युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने का जो प्रयास योगी सरकार कर रही है वह न केवल सराहनीय व अनुकरणीय है, बल्कि इससे युवा शक्ति के सशक्तिकरण को भी बल मिल रहा है।

प्रदेश में प्रतिभाओं को निखरने का मिल रहा मौका: सीएम योगी के हाथों सम्मानित होकर स्टूडेंट्स न केवल अभिभूत दिखे बल्कि उन्होंने सीएम योगी व राज्य सरकार के प्रयासों की जमकर तारीफ की। स्टूडेंट्स के साथ ही उनके अभिभावकों के चेहरे पर भी प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। सीएम योगी के विजन की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए अभिभावकों ने कहा कि सीएम योगी का विजन मिशन मोड में उत्तर प्रदेश में ट्रांसफॉर्मेशन को सुनिश्चित कर रहा है। प्रदेश की युवा मेधा और प्रतिभा का सम्मान जिस प्रकार सीएम योगी ने सुनिश्चित किया वह पूर्ववर्ती सरकारें नहीं कर सकीं। यही कारण है कि युवाओं के मन में एक निराशा घर कर गई थी जिसे योगी सरकार के प्रयासों ने आशा की किरण देकर निखरने का मौका दिया है।

योगी सरकार के प्रयासों से लक्ष्य हासिल करना हुआ आसान: आईसीएसई बोर्ड की 10वीं क्लास की परीक्षा को 99.4 प्रतिशत मार्क्स लाकर पूरे उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान पाने वाले वत्सल अग्रवाल ने सीएम योगी द्वारा सम्मानित होने को गौरवान्वित होने वाला क्षण बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा को लेकर बड़े स्तर पर कार्य हुए हैं। उनके अनुसार, इससे मुझे भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवीन ऊर्जा मिली है। वत्सल अब मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी पर फोकस कर रहे हैं तथा भविष्य में डॉक्टर और आईएएस बनना चाहते हैं। उनके अनुसार, योगी सरकार का मौजूदा प्रयास न केवल युवा प्रतिभाओं को प्रेरित कर रहा है, बल्कि उनके सपनों को पूरा करने का माध्यम बन रहा है जिसके लिए सीएम योगी व प्रदेश सरकार बधाई की पात्र है। वहीं, वत्सल की मां ने सीएम योगी का धन्यवाद करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं किए जाते थे, जैसा योगी सरकार में किया जा रहा है। निश्चित तौर पर, इसके लिए सीएम योगी बधाई के पात्र हैं।

डिजाइन से ड्रोन तक, ड्रीम लैब्स बनेंगी स्कूली शिक्षा की नई पहचान

लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शिक्षा और उद्योग के संगम से भविष्य की दिशा तय कर रहा है। इसी कड़ी में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अत्याधुनिक ड्रीम लैब्स की स्थापना के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने टाटा नेल्को और यास्कावा के साथ महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल न केवल स्कूली शिक्षा को व्यवहारिक और तकनीकी रूप से समृद्ध बनाएगी, बल्कि राज्य को तकनीकी कौशलयुक्त जनशक्ति की दिशा में अग्रसर करेगी। जैसे अमेरिका, जर्मनी, जापान और कोरिया जैसे देश स्कूली स्तर पर ही व्यवसायिक प्रशिक्षण को एकीकृत कर छात्रों को रोजगार-योग्य बना चुके हैं, वैसे ही उत्तर प्रदेश अब उसी दिशा में मजबूत कदम उठा रहा है। योगी सरकार की यह पहल शिक्षा को औद्योगिक दृष्टिकोण से जोड़ने का स्पष्ट संकेत है।

ओडीओपी से ड्रीम लैब्स तक आत्मनिर्भरता की ओर कदम
एक जिला एक उत्पाद योजना की सफलता ने पारंपरिक शिल्प और स्थानीय उद्योगों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अब इसी नींव पर निर्मित ड्रीम लैब्स उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण जैसे रोबोटिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, डिजाइन थिंकिंग आदि क्षेत्रों में छात्रों को तैयार करेंगी। इससे न केवल स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को तकनीकी संबल मिलेगा, बल्कि उत्पाद गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी मजबूती आएगी। ड्रीम लैब्स हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित हैं, जहां विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण, उद्योग प्रासंगिक विशेषज्ञता और रोजगार के अवसरों के लिए तैयार किया जाएगा।

दिल्ली में आज भी जारी रहेगा गर्मी का सितम

नई दिल्ली
राजधानी समेत समूचे उत्तर, उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी का सितम जारी है। यहां तक कि पहाड़ों में भी गर्मी का सितम देखा जा रहा है। गुरुवार को मौसम विभाग द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक 13 जून को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिमी भारत में लू से लेकर भीषण गर्मी की स्थिति जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में गुरुवार को अधिकतम तापमान आयानगर में 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान, मध्य प्रदेश, दक्षिण हरियाणा, दिल्ली, पंजाब,

दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, जम्मू, कच्छ में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, शेष गुजरात, झारखंड से सटे दक्षिण-पश्चिम बिहार में 40-42 डिग्री सेल्सियस। जम्मू, अरुणाचल प्रदेश, मध्य असम में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पश्चिम पंजाब, उत्तरी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी मेघालय, दक्षिण नागालैंड, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस और 6.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

एयर इंडिया विमान हादसा: टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की घोषणा की

नई दिल्ली
टाटा समूह ने गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 फ्लाइट संख?या अक171 की दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की है। इसके अलावा समूह सभी घायल यात्रियों को चिकित्सा कवर की सुविधा भी मुहैया कराएगी। इस विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने जारी बयान में कहा कि एयर

इंडिया फ्लाइट अक171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। चंद्रशेखरन ने लिखा है हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगा। घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेगा और सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त बी.जे. मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेगा। समूह की तरफ से कहा गया है कि वे इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़ा है।

महान संत कबीर दास की जयंती पर भव्य कार्यक्रम

दिव्य दिल्ली : देश के अग्रणी राष्ट्रीय संस्था बिलीव इन नेचर के द्वारा बाबू जगजीवन राम राष्ट्रीय फाउंडेशन ,समाज कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अनुदान के द्वारा देश की राजधानी दिल्ली में बुद्ध जयंती पार्क में महान संत कबीर दास जी की जयंती मनाई गई।इस दौरान देश के अलग अलग हिस्सों से आए प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत मौजूद रही , व विशिष्ट अतिथि प्रद्युम्न राजपूत द्वारका के रहे ,जहां कबीर दास के दोहे और बातों को नाटक के साथ रखा गया। जिसमें बच्चे भी शामिल हुए जिनको सर्टिफिकेट और जरूरत की वस्तुएं देखकर सम्मानित किया गया।इस कार्यकम को मुख्य रूप से ललित कुमार बिंद जी ने अपने प्रयासों से सफल किए जो खुद संस्था के जनरल सेक्रेटरी है वहीं संस्था के अध्यक्ष पूनम दीप , उपाध्यक्ष रीना ,एक्सक्यूटिव सदस्य कपिल शर्मा ,मुकेश जी शामिल रहे जिसमें प्रसिद्ध चिंतक सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. विक्रम चौरसिया जी को गेस्ट ऑफ हॉनर देकर सम्मानित किया गया,जो कार्यक्रम अंत में सभी से आग्रह किया गया कि किसी भी प्रकार से भेदभाव नहीं समाज में होने देंगे जहां होगा वहां संस्था समाज में बदलाव लाने के लिए हमेशा तत्पर रहेगी।।

भारत ने चीन से रेयर अर्थ एलिमेंट की आपूर्ति में स्थिरता की मांग की

नई दिल्ली
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत सरकार चीन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि रेयर अर्थ एलिमेंट से जुड़े उत्पादों की आपूर्ति में स्थिरता लाई जा सके।प्रवक्ता ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल की शुरूआत में चीन के वाणिज्य मंत्रालय और सीमा शुल्क प्रशासन ने कुछ रेयर अर्थ एलिमेंट से जुड़े उत्पादों के निर्यात पर नियंत्रण लगाने की घोषणा की थी। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने बताया कि भारत ने बीजिंग और दिल्ली में चीनी अधिकारियों के साथ चर्चा की है। भारत चाहता है कि व्यापार से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला में पूर्वानुमेयता बनी रहे और यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रेयर अर्थ एलिमेंट तकनीकी उद्योग के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। इनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, रक्षा तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में होता है। चीन इन तत्वों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, ऐसे में चीन के नियंत्रण से वैश्विक आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

भारत इस मामले में सावधानीपूर्वक कूटनीतिक बातचीत कर रहा है ताकि देश के तकनीकी और औद्योगिक हित सुरक्षित रह सकें। सरकार व्यापार जगत को आश्वस्त करने की कोशिश में है कि आवश्यक आपूर्ति बाधित न हो।

उत्तर-पश्चिम भारत में 18 जून तक दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली
अगले हफ्ते तक दक्षिण पश्चिम मानसून दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक दे सकता है। गुरुवार को मौसम विभाग ने मानसून की स्थिति और पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के पहले सप्ताह (12 से 18 जून) के दौरान मध्य और पूर्वी भारत के शेष भागों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके साथ 19 से 25 जून के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश भागों में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण, निम्न दबाव क्षेत्र के बनने की संभावना के कारण पश्चिमी तट पर तेज दक्षिण-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है। जून के तीसरे सप्ताह के दौरान पूर्व और पूर्वोत्तर भारत, मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम भारत में व्यापक रूप से व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

दिल्ली स्टेट टेबल टेनिस की नई कार्यकारिणी का गठन

दिव्य दिल्ली : दिल्ली स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन की सालाना आम सभा का आयोजन बास्को पब्लिक स्कूल पश्चिम विहार मे किया गया इसमें वर्ष 2025 से वर्ष 2029 के लिये दिल्ली स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन की कार्यकारिणी के चुनाव किया गया जिसमे गुरुप्रीत सिंह को अध्यक्ष, सुखविंदर सिंह बब्बर व गुरुचरण सिंह राजू को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आरती कुमार, दीपाली गुप्ता, नितेश चौधरी, रीती शंकर व शेर्या भम्भारी को उपाध्यक्ष चुना गया। बलबीर सिंह लाम्बा को सचिव व स्वेता जैन को कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया।

दिनेश डागर, सूरिंदर सिंह, अंजू भालोटिया, व नीरज वैश को सह सचिव चुना गया तथा साहिल दुग्गल, सुनील दत्त, आशीष हैरी हरमब शर्मा, नाव्या जैन व वरुण जिंदल को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया है।यह चुनाव चुनाव अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के वकील कृष्णा शर्मा की देखरेख मे तथा टेबिल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के

प्रवेशषक प्रिंस विपिन व दिल्ली ओलम्पिक संघ के परवेशक सुधीर वत्स की उपस्थिति मे सम्पन हुए।जहाँ निवर्तमान टीम ने नई चुनी हुए टीम को शुभकामनायें दी वही नई टीम मे भरोसा दिलाया की यह टीम टेबल टेनिस को बुलंदियों पर लेकर जाने का हर सम्भव प्रयास करेगें।

सफदरजंग अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए 'योग समावेश' कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली
आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के मद्देनजर वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज(वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल में गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए योग समावेश कार्यक्रम की शुरूआत की गई। गुरुवार को महिला कल्याण के लिए काम करने वाली संस्था देवया ने गुरुवार को "योग समावेश" के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक व्यापक 10 दिवसीय योग कार्यक्रम की शुरूआत की। देवया की संस्थापक डॉ. मनीषा जोशी ने इस मौके पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उत्सव के हिस्से के रूप में वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में योग समावेश शुरू करने पर खुशी है। यह मातृ स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397